राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय
दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उतरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 01 सितंबर 2026 वर्ष-9,अंक-210 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वैश्विक अस्थिरता के बीच भारत का 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ना देश के लोगों की सामूहिक क्षमता को दिखाता है÷ पीएम मोदी

मुंबई।

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में जीडीपी के 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि वैश्विक अस्थिरता के बीच देश का तेजी से बढ़ना हमारे लोगों की सामूहिक क्षमता को दिखाता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पीएम मोदी ने कहा, ÷वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की 7.8 प्रतिशत की शानदार जीडीपी ग्रोथ एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। हमारे लोगों की सामूहिक ताकत ने यह सुनिश्चित किया है कि ग्लोबल अनिश्चितताओं के बीच तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और सप्लाई चेन की दिक्कतों के बावजूद भारत तेजी से विकास करता रहे।÷ उन्होंने पोस्ट के अंत में कहा कि निराशावादी लोगों की हार हुई और भारत एक बार फिर से खिल उठा है।

वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में विकास दर 7.8 प्रतिशत रही है। यह पिछले साल की समान अवधि की विकास दर 6.9 प्रतिशत से 0.9 प्रतिशत ज्यादा है। यह आरबीआई के अनुमान से ज्यादा है। अगस्त की शुरुआती में मौद्रिक नीति कमेटी (एमपीसी) के फैसलों के ऐलान के दौरान आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के लिए जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 7 प्रतिशत बताया था। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में विकास को रफ्तार तृतीयक क्षेत्र ने दी है। इसकी विकास दर 10 प्रतिशत की रही है। इस दौरान, तृतीयक क्षेत्र में फाइनेंस, रियल एस्टेट, आईटी और प्रोफेशनल सर्विसेज ने 12.1 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ तेजी का नेतृत्व किया है। द्वितीयक क्षेत्र की विकास दर स्थिर कीमतों में 8.6 प्रतिशत और प्राथमिक क्षेत्र की 2.9 प्रतिशत रही है।

इस दौरान कृषि और उससे जुडे सेगमेंट की विकास दर 3.6 प्रतिशत रही है। वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में सकल स्थिर पूंजी निर्माण (जीएफसीएफ) की वृद्धि दर 11.9 प्रतिशत रही है। यह वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में 5.8 प्रतिशत थी।

पहला कॉलम

नाबालिग को शादी का झांसा देकर जम्मू से जबलपुर लाया, युवक हिरासत में

सैनिक कॉलोनी थाना क्षेत्र से लापता हुई थी नाबालिग; कंचनपुर में करीब 3 महीने से किराए के कमरे में रह रहा था आरोपी

जबलपुर ।

अधारताल थाना क्षेत्र के कंचनपुर इलाके में नाबालिग लड़की को शादी का झांसा देकर जम्मू से जबलपुर लाने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, नाबालिग जम्मू के सैनिक कॉलोनी थाना क्षेत्र से आरोपी अजय सिंह निवासी छतरपुर के साथ जबलपुर आई थी। इसके बाद दोनों कंचनपुर इलाके में करीब तीन महीने से किराए के कमरे में रह रहे थे।

जम्मू पुलिस की सूचना पर जबलपुर पुलिस ने शुरू की तलाश.........

मामले की जानकारी सैनिक कॉलोनी थाना पुलिस, जम्मू ने जबलपुर पुलिस को दी थी। सूचना मिलने के बाद अधारताल थाना पुलिस ने नाबालिग और उसके साथ रह रहे युवक की तलाश शुरू की। पुलिस को जानकारी मिली कि दोनों कंचनपुर क्षेत्र में किराए के कमरे में रह रहे हैं।

छतरपुर निवासी युवक हिरासत में.........

पुलिस ने तलाश करते हुए अजय सिंह निवासी छतरपुर को खोज लिया। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, नाबालिग को शादी के लिए बहला-फुसलाकर जम्मू से जबलपुर लाया गया था।

जम्मू पुलिस को दी गई सूचना.........

अधारताल पुलिस ने मामले की जानकारी सैनिक कॉलोनी थाना पुलिस, जम्मू को दे दी है। नाबालिग को अभी जम्मू पुलिस को नहीं सौंपा गया है। फिलहाल पुलिस युवक से पूछताछ कर पूरे मामले की जानकारी जुटा रही है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

हमारे तिरंगे और मेरे देश का अपमान न करें, इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी

रिजिजू ने न्यूयॉर्क में तिरंगे का अपमान करने वाले प्रदर्शनकारियों की आलोचना की

नई दिल्ली।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में प्रदर्शन के दौरान भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने वाले प्रदर्शनकारियों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि लोगों को आरएसएस, बीजेपी या सरकार की आलोचना करने की आजादी है लेकिन देश और राष्ट्रीय ध्वज का अपमान महंगा पड़ेगा। यह विरोध प्रदर्शन शनिवार को हुआ जब आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विरोध प्रदर्शन का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें कथित तौर पर भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करते दिखाया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक एक्स पर पोस्ट में रिजिजू ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा- हमने हमेशा कहा है कि आपको आरएसएस, बीजेपी या सरकार की आलोचना करने की आजादी है, लेकिन हमारे देश को बुरा-भला न कहें। हमारे झंडे और मेरे देश का अपमान न करें। इसकी आपको भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। भागवत ने अमेरिका, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम के अपने तीन देशों के दौरे के पहले चरण के तहत यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन को संबोधित किया। वे आरएसएस के शताब्दी वर्ष समारोह के हिस्से के तौर पर वहां के स्थानीय संगठनों के निमंत्रण पर पहुंचे थे। अपने संबोधन में भागवत ने कहा कि भले ही भारत प्रवासी भारतीयों की जन्मभूमि है, लेकिन जिस देश में वे रहते हैं वह उनकी कर्मभूमि है। इसलिए उन्हें सबसे पहले अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए और उस देश के प्रति वफादार रहना चाहिए जहां वे रहते हैं।

अमेरिकी नागरिक मैथ्यू वैनडाइक की रिहाई के लिए परिवार की दूतावास से गुहार

नई दिल्ली ।

भारत की तिहाड़ जेल में बंद अमेरिकी नागरिक मैथ्यू वैनडाइक के परिवार ने उनकी रिहाई के लिए दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास से राजनयिक हस्तक्षेप की अपील की है। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने मैथ्यू को इस साल मार्च में गिरफ्तार किया था और वे गैर-कानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत न्यायिक हिरासत में हैं। उन पर गैर-कानूनी तरीके से देश में घुसने और हथियारबंद समूहों को ड्रोन प्रशिक्षण देने का आरोप है।

हालांकि, उनके परिवार और समर्थकों का दावा है कि मैथ्यू एक पत्रकार हैं, भाड़े के सैनिक नहीं। परिवार ने उनकी बिगड़ती सेहत पर गहरी चिंता जाहिर की है, जिसमें भूख हड़ताल के कारण 14 किलो वजन कम होना, पैर में चोट और कमजोर नजर शामिल है। परिवार का कहना है कि तिहाड़ जेल के वार्ड 8/9 में उन्हें अकेले रखा गया है और उन्हें कोर्ट द्वारा मंजूर की गई अलग खाना बनाने व केतली जैसी सुविधाएं नहीं दी जा रही हैं। उनके वकीलों की निजी अस्पताल में इलाज कराने और अमेरिका में रिश्तेदारों से संपर्क की अनुमति मांगने वाली याचिकाएं 1 जून को अदालत ने खारिज कर दी थीं। मैथ्यू की न्यायिक हिरासत 8 सितंबर तक बढ़ा दी गई है। परिवार ने दूतावास से मैथ्यू को जल्द से जल्द घर वापस लाने के लिए हर संभव प्रयास करने का आग्रह किया है।

जयललिता की राह पर जोसेफ विजय? पीएम पद की चर्चा पर कांग्रेस-डीएमके की कड़ी प्रतिक्रिया

चेन्नई।

एक ताजा सर्वे में मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय को प्रधानमंत्री पद के लिए 9 प्रतिशत जनसमर्थन मिलने के बाद, उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं पर बहस शुरु हो गई है। इस सर्वे में विजय, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बाद तीसरे स्थान कायम हुए है। इसके बाद सवाल उठने लगा है कि क्या उनकी पार्टी, तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके), पूर्व मुख्यमंत्री जे.जयललिता की 2014 की रणनीति दोहराने पर विचार कर रही है, जब उन्होंने खुद को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर 37 लोकसभा सीटें जीती थीं। टीवीके नेताओं के.ए. सेंगोट्टैयन और सी.टी.आर. निर्मल कुमार ने विजय को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाने की संभावना से इंकार नहीं किया है। हालांकि, इस बात पर विपक्षी डीएमके और विजय की सरकार में सहयोगी कांग्रेस ने कड़ी आलोचना की है। कांग्रेस नेता और उच्च शिक्षा मंत्री पी. विश्वनाथन ने स्पष्ट किया कि राहुल गांधी ही उनकी पार्टी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार है। कांग्रेस ने यहां तक धमकी दी है कि यदि विजय की पार्टी 2029 में राहुल गांधी का समर्थन नहीं करती है, तब वे विजय की कैबिनेट से हट जाएंगे। कांग्रेस नेता मणिकम टैगोर ने सर्वे के आंकड़ों को खारिज कर कहा कि हर आंकड़ा सच नहीं बताता और हर सर्वे लोगों की आवाज नहीं होता।

क्षेत्रीय सहयोगी जैसे वाइको की एमडीएमके, थोल. थिरुमावलवन की वीसीके और आईयूएलएम शायद इस तरह के अभियान का विरोध न करें और टीवीके गठबंधन में बने रहें, लेकिन राहुल गांधी को आगे बढ़ाने की इच्छुक कांग्रेस के लिए यह स्थिति मुश्किल पैदा कर सकती है। डीएमके नेता आरएस भारती ने टीवीके की बातों का मज़ाक उड़ाकर कहा कि उनकी कल्पना की कोई सीमा नहीं है और वे विजय को संयुक्त राष्ट्र प्रमुख भी

बता सकते हैं। गौरतलब है कि टीवीके अभी तक इंडिया गठबंधन का हिस्सा नहीं बनी है, और लोकसभा चुनावों के लिए उसकी रणनीति का भी अभी तक पता नहीं चला है, जो इस पूरे विवाद को और गहराता है।

आईएनएस निपुण भारतीय नौसेना में शामिल

मुंबई।

मुंबई में भारतीय नौसेना ने अपने बेड़े में अत्याधुनिक पोत आईएनएस निपुण को शामिल किया है। इस मौके पर नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने कहा कि हम एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बदलाव के दौर से गुजर रहे हैं, जहाँ समुद्री क्षेत्र तेजी से प्रतिस्पर्धी होता जा रहा है। उन्होंने बताया कि खतरों को लेकर धारणा लगातार बदल रही है और वे नई चुनौतियों तथा जटिलताओं के रूप में सामने आ रही हैं। समुद्र में 300 मीटर की गहराई तक जाने की क्षमता रखने वाला यह जहाज पनडुब्बियों को तुरंत राहत प्रदान करने में सक्षम है। इसके अलावा, आईएनएस निपुण को आपदा राहत और मानवीय सहायता अभियानों के लिए भी तैनात किया जा सकता है, जो इसकी बहुमुखी प्रतिभा को दिखाता है। एडमिरल स्वामीनाथन ने बताया कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों, विशेषकर पश्चिम एशिया में चल रहे संकट के बीच, यह रणनीतिक बदलाव और भी महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि उस समय में जब समुद्री क्षेत्र लगातार अधिक प्रतिस्पर्धी और चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है, आईएनएस निपुण का शामिल होना नौसेना की क्षमताओं को मजबूत करेगा और उभरती सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने में मदद करेगा।

बारिश और बाढ़ से अनेक राज्यों में हालात बिगड़े, चित्रकूट में घरों में 5 फीट तक कीचड़

यूपी के वॉटरफॉल में फंसे पर्यटकों का किया गया रेस्क्यू, हिमाचल में मानसून से अब तक 103 मौतें

मध्य प्रदेश की बारिश से मंदाकिनी उफान पर, बिहार में गंगा कटाव से 8 घर समाए

नई दिल्ली।

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार और हिमाचल प्रदेश समेत कई राज्यों में बारिश और बाढ़ से हालात बिगड़ गए हैं। मध्य प्रदेश में भारी बारिश के बाद कई जिलों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। इसका असर उत्तर प्रदेश के चित्रकूट में भी दिखाई दे रहा है। मंदाकिनी नदी के उफान के कारण रामघाट पर बना पुल नदी में समा गया, जबकि कई घरों में करीब 5 फीट तक कीचड़ भर गया है। वहीं, उत्तर प्रदेश में वॉटरफॉल में फंसे पर्यटकों को रेस्क्यू किया गया है।

मंदाकिनी का जलस्तर अब कम होने लगा है, लेकिन बाढ़ के बाद कीचड़ और मलबे ने स्थानीय लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। सतना में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक स्कूल बंद रखने का निर्णय लिया गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश के 58 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

प्रयागराज और वाराणसी समेत 18 जिलों में बहुत भारी बारिश की संभावना जताई गई है। प्रशासन बाढ़ प्रभावित इलाकों में स्थिति पर नजर बनाए हुए है। बिहार में बैराज से पानी छोड़े जाने के बाद बढ़ी मुश्किल नेपाल में बाढ़ के बाद कोसी बैराज और गंडक बैराज से लगातार पानी छोड़े जाने के कारण बिहार के कई गांवों

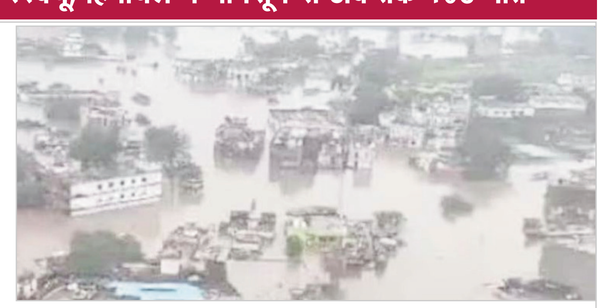

में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। भागलपुर के सबौर में गंगा के कटाव के चलते 8 घर नदी में समा गए। प्रभावित इलाकों में लोगों के सामने सुरक्षित स्थानों पर जाने की चुनौती बनी हुई है। बिहार के 11 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। पिछले 24 घंटे में पटना, सुपौल, जमुई और रोहतास में तेज बारिश हुई। सुपौल में कोसी नदी के किनारे करीब 6 फीट लंबा मगरमच्छ मिलने से भी लोगों में दहशत फैल गई। हिमाचल में बारिश का यलो अलर्ट, 103 लोगों की मौत हिमाचल प्रदेश में एक सप्ताह तक कमजोर रहने के बाद मानसून ने फिर जोर पकड़ा है। कांगड़ा में बीती रात भारी बारिश हुई।

बागेश्वर-गरुड़ मार्ग अवरुद्ध÷ रवाईखाल में पहाड़ दरकने से सैकड़ों वाहन फंसे

देहरादून।

बागेश्वर-गरुड़ मोटर मार्ग सुबह करीब छह बजे रवाईखाल में पहाड़ दरकने से बाधित हुआ। जिला मुख्यालय से मात्र आठ-दस किलोमीटर दूर मुख्य मार्ग बंद होने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लगी। एक एंबुलेंस सहित कर्मचारी, टैक्सी, अखबार और दूध जैसी आवश्यक सेवाओं से जुड़े सैकड़ों वाहन घंटों जाम में फंसे रहे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रवाईखाल में पहाड़ लगातार दरक रहा है, जिससे मलबा हटाने में दिक्कत आ रही है। सुबह नौ बजे तक, यानी तीन घंटे बाद भी, मलबा हटाने के लिए लोडर मशीन मौके पर नहीं पहुंची थी। इस पर स्थानीय लोगों में गहरा रोष है, क्योंकि आपदा की संवेदनशीलता को देखकर पूर्व में ही यहां लोडर तैनात रखने के निर्देश दिए गए थे, ताकि तत्काल यातायात सुचारु किया जा सके। सिस्टम की इस लापरवाही से यात्री और जरूरी सेवाओं के वाहन चालक खासे परेशान हैं।

राहुल गांधी पर एफआईआर के बाद कांग्रेस का भाजपा पर हमला, कहा-डरने वाले नहीं

हल्द्वानी में खरगे की सभा के बाद कथित 'शुद्धिकरण' को लेकर विवाद
कांग्रेस ने कार्रवाई को बताया दलित सम्मान और संविधान की लड़ाई से जुड़ा मामला

नई दिल्ली/हल्द्वानी ।

उत्तराखंड के हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की सभा के बाद कथित 'शुद्धिकरण' कार्यक्रम को लेकर राहुल गांधी के बयान पर एफआईआर दर्ज होने के बाद कांग्रेस ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस ने कहा कि वह इस कार्रवाई का लोकतांत्रिक और कानूनी तरीके से जवाब देगी और जातिवादी मानसिकता के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेगी। कांग्रेस महासचिव एवं उत्तराखंड प्रभारी कुमारी सैलजा ने राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर को लेकर भाजपा सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि खरगे की सभा के बाद कथित शुद्धिकरण कार्यक्रम करने वालों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई, जबकि इस घटना के खिलाफ आवाज उठाने वाले राहुल गांधी पर ही केस दर्ज कर दिया गया। सैलजा ने कहा कि पहले कथित तौर पर शुद्धिकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया और बाद में उत्तराखंड भाजपा अध्यक्ष ने सार्वजनिक रूप से उसका बचाव किया। अब राहुल गांधी ने जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की तो उनके खिलाफ ही एफआईआर दर्ज कर दी गई। उन्होंने इसे भाजपा-आरएसएस की कथित 'दलित विरोधी और संविधान विरोधी' मानसिकता का उदाहरण बताया। क्या है पूरा

विवाद? कांग्रेस के मुताबिक, हल्द्वानी के रामलीला मैदान में 8 अगस्त को मल्लिकार्जुन खरगे की सभा हुई थी। इसके बाद 11 अगस्त को कुछ लोगों द्वारा वहां कथित तौर पर शुद्धिकरण यज्ञ किए जाने की बात सामने आई। कांग्रेस ने इसे दलित सम्मान से जोड़कर भाजपा पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने 29 अगस्त को नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कथित घटना की आलोचना की और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ एससी/एसटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी। कांग्रेस का कहना है कि खरगे ने भी संसद में इस घटना का उल्लेख करते हुए इसे छुआछूत की भावना से जोड़कर अपनी पीड़ा व्यक्त की थी।

नेपाल में बाढ़ पीड़ितों की मदद को सिक्किम का 35 सदस्यीय दल रवाना

सिक्किम।

सिक्किम ने नेपाल में बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित लोगों की सहायता के लिए विशेष राहत अभियान शुरू किया है। सोमवार को मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने सिक्किम फॉर नेपाल बैनर तले 35 सदस्यीय दल को रवाना किया। यह दल नेपाल के आपदाग्रस्त इलाकों में आवश्यक राहत सामग्री, चिकित्सा सहायता और बचाव सेवाएं प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री तमांग ने इस पहल को नेपाल और उसके लोगों के प्रति सिक्किम की गहरी एकजुटता का विनम्र प्रयास बताया। सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) द्वारा आयोजित अभियान के तहत दवाएं, भोजन और अन्य जीवनोपयोगी सामग्री पहुंचाई जाएगी। इस विशेष दल में चिकित्सा कर्मी, अनुभवी बचावकर्मी और स्वयंसेवक शामिल हैं, जिन्हें विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन से जूझ रहे समुदायों की मदद के लिए प्रशिक्षित किया गया है। सीएम तमांग ने पहल को क्षेत्र के लोगों के बीच साझा करुणा, मानवता और भाईचारे की भावना का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि विपत्ति के समय हमें एकजुट होकर जरूरतमंदों की मदद के लिए हाथ बढ़ाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने इस भीषण आपदा में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों और प्रभावित लोगों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देश का युवावर्ग ही भारत को एक बार पुनः बनाएगा विश्व गुरु

(लेखक- प्रहलाद सबनानी)

विश्व में भारत को आज एक युवा देश के रूप में जाना जा रहा है और कई विकसित देश आज भारत से कुशल युवाओं की मांग करते हुए दिखाई दे रहे हैं क्योंकि इन देशों में जन्म दर न्यूनतम स्तर तक पहुंच गई है जबकि यहां के नागरिकों की औसत आयु तेजी से बढ़ रही है और इन देशों में कार्यशील नागरिकों की संख्या तेजी से घट रही है तथा यह देश प्रौढ़ देशों की श्रेणी में शामिल होते जा रहे हैं। इसके विपरीत, भारत की लगभग 68 प्रतिशत जनसंख्या 15 से 64 आयु वर्ग की हैं, एवं 26 प्रतिशत जनसंख्या 10 से 24 आयु वर्ग में शामिल हैं। भारत की 50 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या (लगभग 60 करोड़ से अधिक) 25 वर्ष से कम आयु की है, जबकि 65 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। वर्तमान में भारतीय नागरिकों की औसत आयु 28.4 वर्ष है और इसके चलते ही आज भारत को विश्व के सबसे युवा देशों में गिना जा रहा है और भारत आज जनसांख्यिकी लाभांश की श्रेणी में शामिल हो गया है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की परिभाषा के अनुसार, जनसांख्यिकी लाभांश 卐आर्थिक विकास की वह क्षमता है जो जनसंख्या की आयु संरचना में परिवर्तन के परिणामस्वरूप उत्पन्न हो सकती है, मुख्यत: तब जब कार्यशील आयु वर्ष (15 से 64) की जनसंख्या में हिस्सेदारी गैर कार्यशील आयु वर्ग (14 वर्ष और उससे कम तथा 65 वर्ष और उससे अधिक) की जनसंख्या हिस्सेदारी से अधिक हो।卐 एक अनुमान के अनुसार भारत में वर्ष 2030 तक कार्यशील आयु वर्ग के नागरिकों की संख्या 104 करोड़ होगी। इस प्रकार, भारत का निर्भरता अनुपात वर्ष 2030 तक इसके इतिहास के न्यूनतम स्तर 31.2 प्रतिशत पर होगा। आगामी दशक में वैश्विक कार्यबल में लगभग 24.3 प्रतिशत की वृद्धि के साथ भारत विश्व में मानव संसाधन का सबसे बड़ा प्रदाता बना रहेगा। भारत ने वर्ष 2005-06 में जनसांख्यिकी लाभांश अवसर खिड़की में प्रवेश कर लिया था एवं वर्ष 2055-56 तक इसी स्थिति में बना रहेगा। भारत में एक गतिशील युवा जनसंख्या मौजूद है जो यदि पर्याप्त रूप से शिक्षित, कुशल, स्वस्थ और रोजगार सम्पन्न हो तो न केवल भारत बल्कि विश्व के कई अन्य देशों में भी महत्वपूर्ण प्रभाव डालने में सक्षम है। अभी हाल ही में दिल्ली के जंतर मंतर स्थल पर जनरेशन-जी (जेन-जी) युवाओं ने कुछ विषयों को लेकर आंदोलन छेड़ा था, इन युवाओं में कुछ युवा हमारी सनातन संस्कृति द्वारा पोषित संस्कारों से एक तरह से भटकते हुए दिखाई दिए क्योंकि इन युवाओं ने देश के प्रबुद्ध वर्ग के विरुद्ध जिस प्रकार की भाषा का प्रयोग किया, वह किसी भी रूप में भारतीय सनातन संस्कृति के संस्कारों के अनुरूप नहीं थी। यह हम सभी के लिए चिंता का विषय होना चाहिए कि हमारे देश का युवावर्ग (भले ही बहुत कम संख्या में हो) आज किस दिशा की ओर बढ़ चला है। जब भारत आज पूरे विश्व का नेतृत्व करने की ओर बढ़ चला हो, और भारतीय युवाओं की मांग वैश्विक स्तर पर कई विकसित देशों में भी बढ़ रही हो, ऐसे समय में देश में अराजकता का माहौल पैदा करना किसी भी प्रकार से सूझबूझ भरी सोच तो नहीं कही जा सकती है।

कुछ शताब्दी पूर्व पुर्तगाली, डच, अंग्रेज आदि भारत की खोज करने के लिए आगे बढ़े थे। उस खंडकाल में भारत लगभग पूरे विश्व को कपड़ा, मसाले, स्टील एवं अन्य कई खाद्य पदार्थों को उपलब्ध करा रहा था। इन पदार्थों के भारी मात्रा में निर्यात के चलते ही भारत को 卐सोने की चिड़िया卐 कहा जाता था। क्योंकि, भारत से विभिन्न पदार्थों के निर्यात के एवज में भुगतान स्वर्ण मुद्राओं में होता था और पूरे विश्व का सोना भारी मात्रा में भारत में जमा हो गया था। लगभग 1000 वर्ष की पराधीनता के चलते भारत को सोने की चिड़िया से एक अति गरीब देश बना दिया गया। लगभग 45 लाख करोड़ डॉलर की लूट तो अंग्रेजों ने की थी, जबकि अरब के देशों से आए आक्रांताओं ने भारत को कितना लूटा था इसका तो कोई हिसाब ही नहीं है। वर्ष 1947 में स्वाधीनता प्राप्ति के पश्चात भी भारत में आर्थिक नीतियां कुछ इस प्रकार की बनी कि देश में आर्थिक विकास दर लगभग 5 प्रतिशत के अंदर ही बनी रही और भारत लगातार एक गरीब देश बना रहा। परंतु, वर्ष 1991 में आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्र में लागू किए गए आर्थिक सुधार कार्यक्रम के चलते एवं वर्ष 2014 के पश्चात देश में तेजी से चलाए गए आर्थिक सुधारों के चलते भारत एक बार पुन: वैश्विक स्तर पर बड़े देशों के बीच सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है और आज भारत की विश्व के सकल घरेलू उत्पाद में भागीदारी, क्रमिक आधार (इनक्रीमेंटल) पर, 16 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गई है। इस संदर्भ में आगामी कुछ समय में ही भारत, चीन को पीछे छोड़कर विश्व में प्रथम स्थान पर पहुंचने की स्थिति में पहुंच गया है।

भारत आज जनसांख्यिकी लाभांश अवसर खिड़की में पहुंच चुका है एवं भारत से आज प्रतिवर्ष 7 लाख से अधिक नागरिक अन्य देशों में जाकर बस रहे हैं क्योंकि अन्य देशों में इन नागरिकों को रोजगार एवं अपने व्यवसाय में वृद्धि करने के पर्याप्त अवसर मिल रहे हैं। कई भारतीय कम्पनियों ने अपने व्यवसाय कार्यालय अन्य देशों में स्थापित कर लिए हैं एवं इन देशों में अपने व्यवसाय को बढ़ा रहे हैं अत: भारत से अपने परिवार के सदस्यों को इन देशों में भेज रहे हैं। आज विभिन्न देशों में निवास कर रहे भारतीय मूल के नागरिकों की संख्या लगभग 4 करोड़ के आसपास पहुंच गई है। भारतीय मूल के नागरिक इन देशों में मेहनत करते हैं एवं इन्हें सनातन संस्कृति का वाहक भी कहा जा सकता है क्योंकि वे उस देश को अपनी कर्मभूमि के रूप से स्वीकार करते हैं एवं पूरे मनोयोग से उस देश की सेवा में रत हो जाते हैं और भारतीय मूल के नागरिक इन देशों में अपने लिए एक विशेष स्थान बना लेते है। अमेरिका में भारतीय मूल के नागरिकों की वार्षिक औसत आय 1.20 लाख अमेरिकी डॉलर से ऊपर है जबकि स्थानीय नागरिकों की वार्षिक औसत आय 60,000 अमेरिकी डॉलर है। विशेष रूप से स्वास्थ्य (डॉक्टर एवं नर्स), इंजिनीयर, वैज्ञानिक, रिसर्च एवं प्रशासन जैसे क्षेत्रों में भारतीयों की अत्यधिक मांग बन गई है। इन देशों में निवासरत भारतीय मूल में नागरिक अपनी बचत की राशि को भारत में भेजते हैं जिससे भारत को विदेशी मुद्रा की कमी महसूस नहीं होती है और भारत का विदेशी मुद्रा भंडार आज 73,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया है। पिछले वर्ष विभिन्न देशों में निवासरत भारतीय मूल के नागरिकों ने भारत में 14,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भारत में भेजी थी, जो पूरे विश्व में किसी भी देश में भेजी जाने वाली विदेशी मुद्रा की राशि में सबसे अधिक है। सिलिकोन वेल्ली से लेकर यूरोपीयन देशों तक भारतीय नागरिकों का महत्वपूर्ण प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। जापान, इजराईल, वियतनाम, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, अमेरिका, कनाडा एवं यूरोपीयन देश (फ्रान्स, जर्मनी, आदि) आज कुशल भारतीय कारीगरों की मांग लगातार कर रहे हैं। एक अनुमान के अनुसार, वर्ष 2030 तक इन देशों में 5 करोड़ से अधिक कुशल कारीगरों की कमी होने वाली है। अत: कुछ देशों ने तो इस सम्बंध में अपनी संसद में प्रस्ताव पेश किए हैं एवं भारत से कुशल कारीगरों की औपचारिक मांग की है।

भारत सरकार ने भी भारत के युवाओं में कौशल विकसित करने के उद्देश्य से कई प्रकार की योजनाएं - यथा प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, उड़ान, संकल्प, प्रशिक्षु अधिनियम 1961 के अंतर्गत प्रशिक्षता प्रशिक्षण, महिलाओं के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम, प्रधानमंत्री कौशल केंद्र, कौशल ऋण योजना, भारतीय कौशल संस्थान की स्थापना - प्रारम्भ की हैं। इतने कार्यक्रम प्रारम्भ करने के उपरांत भी, हाल ही में जारी एक प्रतिवेदन के अनुसार भारत में आज लगभग 8 करोड़ युवा न तो कहीं अध्ययनरत हैं और न ही अपने कौशल को विकसित कर रहे हैं। अत: भारत सरकार इस संदर्भ में अतिरिक्त प्रयास कर रही है ताकि भारतीय प्रतिभा की मांग को वैश्विक स्तर पर मान्यता दिलाई जा सके एवं इन देशों में भारतीय कुशल कारीगरों को स्थापित किया जा सके। भारत आज प्रतिवर्ष 25 लाख से अधिक कुशल कारगर तैयार कर रहा है। भारत आज कुशल कारीगरों की आपूर्ति के क्षेत्र में एक वैश्विक इंजिन बन गया है। विभिन्न देशों के साथ भारत द्वारा सम्पन्न किये जा रहे द्विपक्षीय व्यापार समझौतों के माध्यम से भी भारत की ओर से यह प्रयास किया जाता है कि भारत से कुशल कारीगरों को इन देशों में बसाने के लिए इन देशों की सरकारों द्वारा विशेष सहायता (वीजा प्रदान करने के सम्बंध में नियमों को आसान बनाना) उपलब्ध कराई जानी चाहिए। भारत ने हाल ही में जर्मनी, फ्रान्स, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया एवं जापान के साथ प्रवास एवं गतिशीलता साझेदारी समझौते सम्पन्न किये हैं ताकि भारतीय मूल के कुशल कारीगरों को इन देशों में आवश्यकता पड़ने पर कानूनी सहायता उपलब्ध हो सके। भारतीय कुशल कारीगरों की इन देशों में पर्याप्त मांग बन रही है। साथ ही, भारत इन देशों के साथ परस्पर मान्यता समझौते भी सम्पन्न कर रहा है ताकि भारतीय युवाओं को इन देशों में किसी प्रकार की अतिरिक्त शिक्षा ग्रहण करने की आवश्यकता नहीं पड़े और भारतीय शिक्षा को इन देशों में समान मान्यता प्रदान की जाय।

भारत उक्त देशों के साथ सम्पूर्णता समझौता भी सम्पन्न करने का प्रयास कर रहा है। कुछ देश भारतीयों को प्रदान किए जाने वाले वेतन में से सोशल सिक्यरिटी के नाम पर भारी भरकम राशि काट लेते हैं, जो उन्हें कभी वापिस ही नहीं मिलती है। उक्त समझौता इस प्रकार के नियमों को भारतीयों पर लागू करने से इन देशों को रोकता है। एक अनुमान के अनुसार, अकेले ब्रिटेन में भारतीयों को प्रतिवर्ष 48 करोड़ डॉलर की राशि की बचत होगी।

आज भारत अपने युवा वर्ग को अन्य देशों में भेजकर यह अपेक्षा भी करता है कि इन देशों में वे नई तकनीकी सीखकर भारत में वापिस आकर अपने व्यवसाय प्रारम्भ करें ताकि भारत में ही रोजगार के अतिरिक्त अवसर निर्मित किए जा सकें एवं भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात को बढ़ाया जा सके। इस प्रकार, आज भारतीय युवा, भारत के लिए अमूल्य सम्पत्ति है। अत: उक्त वर्णित परिस्थितियों के बीच भारत के युवा वर्ग (जेन-जी) को यह सोचना होगा कि वे पूरे विश्व में बड़े देशों के बीच सबसे तेज़ गति से आगे बढ़ रही भारतीय अर्थव्यवस्था को किस प्रकार अपना सहयोग प्रदान कर सकते हैं एवं विभिन्न देशों में लगातार बढ़ रही भारतीय कुशल कारीगरों की मांग की आपूर्ति में किस प्रकार अपना योगदान देकर अपने लिए रोजगार प्राप्त कर सकते हैं ताकि भारत को एक बार पुन: विश्व गुरु के रूप में स्थापित किया जा सके।

(प्रहलाद सबनानी, सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

डिजिटल जाल में बचपन

भारत में लंबे समय से अभिभावक, शोध निष्कर्ष और मीडिया बता रहा था कि बच्चों पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का घातक प्रभाव पड़ रहा है। लेकिन हमारे नीति-नियंता इस तरह के मामलों में तब ध्यान देते हैं जब इस बाबत निष्कर्ष पश्चिमी देशों, खासकर अमेरिका से आएं। फेसबुक और इंस्टाग्राम से बच्चों को हुए नुकसान को लेकर पिछले दिनों अमेरिका की अदालतों में वाद दायर किए गए। इस बाबत किए गए दावों के बाद मेटा को 18 अरब डॉलर तक भुगतान करने का फैसला अदालतों ने दिया। इस जुर्माने से इस बात को भी मान्यता मिली है कि नुकसान सिर्फ सोशल मीडिया के इस्तेमाल के तरीके से ही नहीं होता, बल्कि उसके डिजाइन से भी हो सकता है। आरोप लगे थे कि इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि बच्चों को इसकी लत लग जाती है। दरअसल, यह निष्कर्ष महत्वपूर्ण है कि किस तरह बच्चों को उपभोक्ता में तब्दील किया जा रहा है। चिंता की बात यह है कि माता-पिता स्क्रीन टाइम को तो सीमित कर सकते हैं, लेकिन वे उन एल्गोरिदम को नहीं देख सकते हैं, जो यह तय करते हैं कि उन घंटों के दौरान बच्चा क्या देखता है। दरअसल, इन प्लेटफॉर्म द्वारा बड़ी ही चालकी से इनफिनेट स्क्रॉलिंग, पर्सनलाइज्ड रिकमेंडेशन, नोटिफिकेशन, लाइक्स और दूसरे एंगेजमेंट टूल इस तरह डिजाइन किए जाते हैं कि वे बच्चों का बार-बार ध्यान खींचें और उन्हें छोटी स्क्रीन पर वापस लाएं। दरअसल, अभिभावकों ने अमेरिकी अदालत में कहा कि प्रश्न यह नहीं है कि बच्चे अधिक समय तक ऑनलाइन रहते हैं, बल्कि यह है कि प्लेटफॉर्म को बच्चों को लत लगाने के लिये डिजाइन किया गया है। मेटा ने कुछ सुरक्षा उपायों को लेकर प्रस्ताव रखे हैं, जिसमें रोजाना की सीमाएं, रात के समय की पाबंदियां तथा लगातार बढ़ावा देने वाले फीचर्स में बदलाव शामिल है। लेकिन इसके बावजूद कंपनी का विज्ञापन आधारित बिजनेस मॉडल काफी हद तक वैसा ही बना रहेगा। इससे अभिभावकों की चिंता बढ़ी है कि जब तक कंपनी का व्यावसायिक मॉडल नहीं बदलेगा, सकारात्मक नतीजों की उम्मीद बेमानी होगी। अमेरिका में अभिभावकों की जीत के बाद भारत को सबक लेते हुए जल्दबाजी में इस पर पूरी तरह बैन लगाने से बचना चाहिए। सारी जिम्मेदारी अभिभावकों की भी न हो। इसके लिये जो डिजिटल नियम बनें, उनमें प्लेटफॉर्म्स को प्रोडक्ट डिजाइन से होने वाले संभावित नुकसान हेतु जवाबदेह बनाना चाहिए। साथ ही बच्चों को लक्षित करने वाले व्यवहार संबंधी विज्ञापनों पर सख्त रोक लगानी चाहिए। बच्चों द्वारा प्रयुक्त किए जाने वाले रिकमेंडेशन सिस्टम का स्वतंत्र ऑडिट हो। वहीं उम्र की पुष्टि करने वाले सिस्टम को बच्चों की निजी जानकारी का ऐसा डेटाबेस नहीं बनाना चाहिए, जो उनकी निजता में हस्तक्षेप कर सके। फोन में सेप्टी सेटिंग्स हमेशा विद्यमान रहनी चाहिए, ताकि मां-बाप को माथापच्ची करके उसे ढूंढ कर चालू न करना पड़े। निस्संदेह, जिन प्लेटफॉर्म्स के पास बच्चों को लत लगाने की तकनीक है, उनके पास ही नुकसान को कम करने की तकनीक भी है। अत- जिम्मेदारी प्लेटफॉर्म की हो।

हिमालय क्षेत्र में विकास की सोच को बदलना होगा

(लेखक-राज कुमार सिन्हा)

हिमालय दुनिया की सबसे नई और अस्थिर पर्वत श्रृंखला है। यहां भूकंप, भूस्खलन और हिमनद पिघलने की घटनाएं आपस में जुड़ी हुई हैं। 26 अगस्त 2026 को नेपाल-तिब्बत सीमा पर हुई ग्लेशियर जनित तबाही में जलवायु परिवर्तन एक मुख्य कारक है। जलवायु परिवर्तन, बढता तापमान और बदलता मानसून ने हिमालयी भू-तंत्र को अस्थिर करने वाली परिस्थितियां पैदा या मजबूत की है, जबकि तत्काल ट्रिगर ग्लेशियर का टूटना या बर्फ-चट्टान का हिमस्खलन और उसके बाद मलबे का बहाव था। एक महत्वपूर्ण बात सामने आती है की जलवायु परिवर्तन जरूरी नहीं है कि हर बार सीधे 卐बाढ़卐 पैदा करे। वह पहले जोखिम की पूरी संरचना बदलता है। 26 अगस्त को नेपाल के रसुवा क्षेत्र में ल्हेन्दे खोला नदी के ऊपरी हिस्से में ग्लेशियर का बड़ा हिस्सा लगभग 5,200 मीटर की ऊंचाई से करीब 1,200 मीटर नीचे गिरा। इसके साथ बर्फ, चट्टान और मलबा आया और उसने नदी में अचानक अत्यंत शक्तिशाली प्रवाह पैदा किया। इसके बाद भोटेकोशी और त्रिशूली नदी तंत्र में बाढ़ आई। कुछ स्थानों पर जलस्तर लगभग 30 मिनट में 9 मीटर तक बढ़ा। इस बाढ़ ने नदी किनारे बसे शहरों को तहस-नहस कर दिया, अपने रास्ते में आने वाली 10 से अधिक पनबिजली परियोजनाओं को नष्ट कर दिया और 50 किलोमीटर से अधिक राजमार्गों और 30 पुलों को बहा ले गई। शुरुआत में भूकंप को संभावित कारण माना गया था, लेकिन बाद के उपग्रह और भूकंपीय विश्लेषण से संकेत मिला कि जिसे भूकंप समझा गया था, वह ग्लेशियर या चट्टान के बड़े पैमाने पर टूटने से उत्पन्न भूकंपीय सिग्नल थी। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे, अमेरिका (यूएसजीएस) ने इसे ग्लेशियर का एकाएक गिरना और मलबा प्रवाह से जुड़ी घटना बताया है।हिमालय में तापमान बढ़ने से ग्लेशियर तेजी से पीछे हट रहे हैं और बर्फ का द्रव्यमान घट रहा है। हिंदूकुश-हिमालय क्षेत्र में ग्लेशियरों के नुकसान की गति बढ़ी है। नेपाल के ग्लेशियरों ने पिछले लगभग तीन दशकों में अपने बर्फीले आयतन का लगभग एक-तिहाई खो दिया है। इसका मतलब यह नहीं कि हर ग्लेशियर टूटेगा। लेकिन इससे ग्लेशियरों की संरचना और उनके आसपास का पर्वतीय भूगोल बदल रहा है। बर्फ पिघलने से सिर्फ पानी नहीं बढ़ता, पहाड़ भी कमजोर होता है। ऊंचे हिमालय में चट्टानों और मिट्टी के बीच जमी बर्फ यानी पर्माफ्रॉस्ट एक तरह का प्राकृतिक 卐सीमेंट卐 का काम करती है। इसे केवल 卐प्राकृतिक आपदा卐 कहना भी अधूरा है।खतरा प्राकृतिक हो सकता है, लेकिन आपदा की भयावहता अक्सर जलवायु परिवर्तन, कमजोर भू-तंत्र और नदी घाटियों में बढ़ती मानवीय गतिविधियों का परिणाम होती है। उत्तराखंड को बर्फीली चोटियों, घने जंगलों और नदियों के राज्य के रूप में देखा जाता है, लेकिन पिछले 30 साल में इसकी जमीन की तस्वीर तेजी से बदली है। 1992 से 2022 के बीच बर्फ का क्षेत्र घटा, प्राकृतिक वनस्पति कम हुई और निर्माण क्षेत्र करीब 13 गुना बढ़ गया।अनुचित और अवैज्ञानिक विकास गतिविधियों के कारण जलवायु संबंधी संवेदनशीलता और भी बढ़ रही है। पहाड़ों की ढलानों के निचले हिस्सों को काटकर बनाई जा रही जरूरत से अधिक चौड़ी सड़कें, बड़े पैमाने पर बन रही जलविद्युत परियोजनाएं, तेजी से बढ़ता सैन्य ढांचा, बस्तियां तथा अन्य बुनियादी ढांचे अत्यंत नाजुक हिमालयी घाटियों और नदी-गलियारों में तेजी से निर्मित किए जा रहे हैं। ये वही क्षेत्र हैं जो विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन की दृष्टि से अत्यधिक संवेदनशील है। इसी दौरान बारिश और तापमान के पैटर्न में भी बदलाव दिखाई देता है। भारत के हिमालयी क्षेत्रों के विशेषकर उत्तराखंड और सिक्किम में पिछले कुछ वर्षों में ग्लेशियर झील के फटने की मुख्य तौर पर 3 बड़ी और विनाशकारी घटनाएं दर्ज की गई हैं, जिनमें सैंकड़ों लोगों की जान गई थी। इसे भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के संदर्भ में एक उदाहरण से समझा जा सकता है। 2013 में, भारत के नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर (एनआरएससी) के वैज्ञानिकों ने दक्षिण ल्होनक झील को लेकर जोखिम का आकलन किया था और उनके निष्कर्ष चिंताजनक थे। अध्ययन के अनुसार, झील के फटने की 42 प्रतिशत संभावना थी।खतरा सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज था और घटना से करीब एक दशक पहले ही इसकी जानकारी सामने आ चुकी थी।इसके बावजूद भी झील के ठीक नीचे सिक्किम की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं में से एक 1,200 मेगावाट की तीस्ता-3 परियोजना थी, जिसे चुंगथांग में बनाया गया था। अगले दस वर्षों तक झील लगातार बढ़ती रही और बांध का काम सामान्य रूप से संचालित होता रहा। ज्ञात जोखिम को ध्यान में रखते हुए न तो लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने की कोई ठोस योजना बनाई गई, न बांध की संरचना में आवश्यक बदलाव किए गए और न ही इस खतरे के अनुरूप कोई पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई। फिर 3 और 4 अक्टूबर 2023 की दरम्यानी रात झील उसी तरह फट गई, जैसी आशंका अध्ययन में व्यक्त की गई थी। अचानक आई बाढ़ ने कुछ ही घंटों में बांध को तबाह कर दिया। इस आपदा में 55 लोगों की मौत हुई और 74 लोग लापता हो गए। सिक्किम में 1,756 परिवारों के 7,000 से अधिक लोग बेघर हो गए, जबकि मंगन, गंगटोक, नामची और पाकयोंग जिलों में 2,000 से अधिक मकान पूरी तरह नष्ट हो गए। इसके करीब 14 महीने बाद यह मामला एक और चौंकाने वाले मोड़ पर पहुंचा। नियामकों ने उसी स्थान पर बांध के पुनर्निर्माण को मंजूरी दे दी। इस बार प्रस्तावित बांध की ऊंचाई 118.64 मीटर रखी गई है, जो मूल बांध की ऊंचाई से लगभग दोगुनी है। हालांकि, परियोजना से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण तकनीकी मंजूरियां अभी लंबित हैं और निर्माण कार्य अभी शुरू नहीं हुआ है। इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में भी याचिका दायर की गई है। इसलिए जलविद्युत परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के दौरान जोखिमों को अनदेखा करना जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीलापन नहीं है। यह आपदा में योगदान देना है। वास्तव में, जब तक व्यापक जलवायु आकलन पूरा नहीं हो जाता, तब तक हिमालय में बड़े जलविद्युत विकास पर तत्काल रोक लगाने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के अनुसार कश्मीर, लद्दाख़, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश की 7500 ग्लेशियर झीलों में से 189 झीलें कभी भी तबाही का बडा कारण बन सकती हैं। इन 189 में से करीब 56 बेहद खतरनाक श्रेणी में है। इससे लगभग तीन करोड़ की आबादी पर बडा संकट मंडरा रहा है। इन ग्लेशियरों के पिघलने से बनने वाली झीलें केवल एक पारिस्थितिक संकट नहीं हैं। इन झीलों से निकलने वाले पानी के कारण नदियों का बहाव प्रभावित होता है। इसके साथ ही, जिन झीलों का पानी पूरी तरह भर जाता है या जिनका किनारा टूटता है, वे नीचे बसे क्षेत्रों के लिए भारी तबाही का कारण बनती हैं।

ध्यान से खुल जाते हैं आत्मा के सारे चक्र

उपदेशों और सिद्धांतों की इतनी भरमार है कि परमात्मा को अर्थात अपने जीवन के परम लक्ष्य को ढूंढना घास में से सुई खोजने के बराबर हो गया है। कुछ लोगों के लिए आध्यात्मिकता, माया से मुक्त होने का साधन है तो कुछ लोगों के लिए यह तप और भक्ति से भी अधिक उच्च स्तर का मार्ग है। भले ही परमलक्ष्य तक पहुंचने के विभिन्न मार्ग क्यों न हों, लेकिन योग उनमें किसी प्रकार का भेद नहीं करता। एक योगी के लिए यह संपूर्ण सृष्टि किसी नाटक के समान है। चरित्रों और दृष्यों से प्रभावित हुए बिना इस नाटक का अनुभव करना ही परम उद्देश्य है। आवश्यकता कर्म से ऊपर उठने की है। कृष्ण ने अपनी लीला से इस महत्व को समझाया कि नाटक के मोह में नहीं बंधना है। न ही इससे प्रभावित होना है। यही निष्काम कर्म है। जो सुख-दुःख से परे रखता है। मनुष्य में आध्यात्मिक उत्थान की प्रक्रिया शुरु होती और आगे बढ़ती है तो आत्मा विभिन्न चक्रों और जीवन के पहलुओं से होते हुए निरंतर आरोहण करने लगती है।

जीवन में भौतिक शरीर की मूल आवश्यकताओं और इच्छाओं से ऊपर उठते हुए उच्चतम शिखरों को छूते हुए अंत में स्वयं से और इस संसार से भी ऊपर उठना होता है। सनातन क्रिया में अष्टांग योग के आठों अंग पूर्णतया सम्मिलित हैं। गुरु के सानिध्य में इस क्रिया को करने से निम्न चक्रों से आज्ञा चक्र व उससे आगे तक पहुंचने का मार्ग स्पष्ट हो जाता है। किसी युग में चक्रों पार करने और अंतिम स्थिति तक तक पहुंचना आसान रहा होगा पर आज हम जिस युग में रह रहे हैं, उसमें ऊंचाई तक पहुंचने के लिए प्रचंड पुरुषार्थ करने की जरूरत रहती है। शास्त्रों और उन्हें जानने वाले ज्ञानीजनों के अनुसार कलियुग के इस अंतिम चरण में हम सब में से अधिकतर व्यक्ति स्वाधिष्ठान के स्तर पर ही अटके हुए हैं।

कुछ ही अनाहद तक पहुंच सके हैं और उससे भी कम विशुद्धि तक का मार्ग तय कर पाए हैं। जो आज्ञा चक्र तक पहुंच चुके हैं, उन्हें आनंद की अनुभूति हो चुकी है और वे दिव्य शक्ति के साथ एक हो चुके हैं। वे गहन चिंतन के साथ अनंत आनंद की अवस्था में हैं। आज्ञा चक्र तक पहुंचने के लिए विभिन्न युगों में कठिन और प्रखर साधन करने होते थे। इस युग में स्थितियां ऐसी नहीं है कि कठिन साधनाएं की जा सकें। एक ध्यान ही ज्यादा समर्थ है। आज्ञा चक्र तक पहुंचने और इसे जागृत करने में भी यही उपाय काम आता है।

विचार मंथन

हिमालय के ग्लेशियर और हिमस्खलनः विकास की कीमत कहीं विनाश तो नहीं?

(लेखक- सनत जैन)

हिमालय केवल भारत, नेपाल, भूटान, चीन और पाकिस्तान की भौगोलिक सीमा नहीं है, बल्कि यह एशिया की जलवायु, नदियों, जैव-विविधता और करोड़ों लोगों के जीवन का आधार है। पिछले तीन दशकों में विकास के नाम पर जिस तेजी से पहाड़ों को काटा गया, जंगलों को कम किया गया, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह में हस्तक्षेप हुआ और अत्याधिक निर्माण किया गया, उसके परिणाम अब इनक्रीसिंगली दिखाई देने लगे हैं। ग्लेशियरों का सिकुड़ना, हिमस्खलन, अचानक बाढ़, बादल फटना और पहाड़ों का दरकना अब अलग-अलग घटनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि एक बड़े पर्यावरणीय संकट की चेतावनी हैं।

हिमालय की पारिस्थितिकी अत्यंत संवेदनशील है। यहां सड़क, सुरंग, बांध, होटल, रिसॉर्ट और अन्य निर्माण यदि वैज्ञानिक क्षमता और स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियों को नजरअंदाज करके किए जाएं तो उनका प्रभाव केवल उस क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता। एक पहाड़ का कमजोर होना पूरी घाटी के जलप्रवाह को बदल सकता है। मलबा नदी में पहुंचकर उसका मार्ग रोक सकता है। देखते ही देखते शांत नदी विनाशकारी बाढ़ का रूप ले सकती है। कहीं नदी का रास्ता बदल जाता है तो कहीं मलबे और चट्टानों का नया पहाड़ खड़ा हो जाता है। सबसे गंभीर चिंता जलवायु परिवर्तन की है। वैश्विक तापमान में वृद्धि का सीधा प्रभाव हिमालय के ग्लेशियरों पर पड़ रहा है। ग्लेशियरों का पीछे हटना केवल बर्फ के कम होने की कहानी नहीं है। यही ग्लेशियर सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी विशाल नदी प्रणालियों को पानी उपलब्ध कराते हैं। यदि हिमनदों का संतुलन बिगड़ता है तो आने वाले समय में एक तरफ अचानक बाढ़ और दूसरी तरफ जल-संकट दोनों का खतरा बढ़ सकता है। इस संकट का असर केवल मनुष्य पर नहीं होगा। हिमालय हजारों वनस्पतियों, पशु-पक्षियों और सूक्ष्म जीवों का घर है। तापमान और वर्षा के पैटर्न में बदलाव से जैविक संरचना बदल रही है। कुछ प्रजातियां ऊंचाई की ओर जाने को मजबूर होंगी, कुछ के लिए ऐसा करना संभव नहीं होगा। जंगलों की संरचना बदलेगी और उसके साथ पूरी खाद्य-श्रृंखला प्रभावित हो सकती है। प्रकृति का कोई भी हिस्सा अलग-थलग नहीं है। एक परिवर्तन दूसरे परिवर्तन को जन्म देता है।

दुर्भाग्य यह है कि पर्यावरणीय चेतावनियां वैज्ञानिक वर्षों से दे रहे हैं, लेकिन विकास की हमारी परिभाषा अभी भी सड़क, पुल, भवन और ऊर्जा परियोजनाओं की संख्या से तय होती है।

सवाल यह नहीं है कि विकास होना चाहिए या नहीं। सवाल यह है कि क्या ऐसा विकास होना चाहिए जो आने वाली पीढ़ियों के अस्तित्व को ही खतरे में डाल दे? भारत, नेपाल, चीन और पाकिस्तान के लिए हिमालय साझा प्राकृतिक व्यवस्था है।

राजनीतिक सीमाएं अलग हो सकती हैं, लेकिन ग्लेशियर, नदियां, हवा और मौसम सीमाओं को नहीं मानते। नेपाल में होने वाली हिमालयी आपदा का प्रभाव भारत तक पहुंच सकता है और हिमालय में होने वाला पर्यावरणीय परिवर्तन पूरे दक्षिण एशिया की जल-सुरक्षा को प्रभावित कर सकता है। इसलिए अब इन देशों को राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर साझा हिमालय नीति बनानी होगी। ग्लेशियरों की लगातार निगरानी, वैज्ञानिक आधार पर निर्माण, संवेदनशील क्षेत्रों में निर्माण पर प्रतिबंध, जंगलों की रक्षा, नदी के प्राकृतिक मार्गों को सुरक्षित रखना और आपदा की पूर्व चेतावनी प्रणाली को मजबूत करना समय की आवश्यकता है।

अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं को भी केवल सम्मेलन और घोषणाओं तक सीमित रहने के बजाय उत्सर्जन और पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्यों के वास्तविक पालन की निगरानी करनी होगी। प्रकृति को जीतने की वस्तु समझना मानव सभ्यता की सबसे बड़ी भूल है। ब्रह्मांड एक है, धरती एक है, उसकी प्राकृतिक व्यवस्था भी एक-दूसरे से जुड़ी हुई है। सीमाएं मनुष्य ने बनाई हैं, प्रकृति ने नहीं। यदि धन, सत्ता और सुविधा के लिए हम हिमालय जैसे प्राकृतिक सुरक्षा कवच को लगातार कमजोर करते रहे तो आने वाली पीढ़ियां हमें विकास का निर्माता नहीं, बल्कि विनाश की नींव रखने वाली पीढ़ी के रूप में याद करेंगी। समय अभी भी हमारे हाथ में है। हिमालय को बचाना केवल पहाड़ों को बचाना नहीं है। यह पानी, मौसम, जैव-विविधता, अर्थव्यवस्था और मानव सभ्यता के भविष्य को बचाना है। इसके लिए जिम्मेदारी और बेहतर सोच तथा समन्वय की जरूरत है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वैश्विक दबाव में सोना-चांदी धड़ामः खरीदारी का शानदार मौका!

24 कैरेट सोना 2,460 और चांदी 2,840 प्रति किलोग्राम सस्ती हुई

नई दिल्ली

वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों और घरेलू स्तर पर मांग में कमी के चलते भारतीय सर्राफा बाजार में सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। पिछले कुछ दिनों से जारी उतार-चढ़ाव के बाद, दोनों कीमती धातुएं तेजी से नीचे आई हैं, जिससे निवेशकों और खरीदारों में हलचल मच गई है। आज 24 कैरेट सोना 2,460 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 2,840 रुपए प्रति किलोग्राम सस्ती हुई है।मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) और प्रमुख हाजिर बाजारों के आंकड़ों के अनुसार, 24 कैरेट शुद्ध सोने की कीमत में करीब 2,460 रुपए प्रति 10 ग्राम की भारी कटौती देखी गई है। इस गिरावट के बाद शुद्ध सोना अब 1,54,390 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है। वहीं आभूषण बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले 22 कैरेट सोने के दामों में भी आनुपातिक कमी आई है। सोने के साथ-साथ चांदी में भी बड़ी गिरावट दर्ज हुई है। चांदी की कीमत 2,840 रुपए प्रति किलोग्राम गिरकर 2,39,350 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। बाजार विश्लेषकों के मुताबिक इस बड़ी गिरावट की मुख्य वजह वैश्विक स्तर पर अमेरिकी डॉलर का मजबूत होना और अमेरिकी केंद्रीय बैंक (फेडरल रिजर्व) की ब्याज दरों को लेकर अनिश्चितता है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में डॉलर के मजबूत होने से सोने की कीमतों पर दबाव बढ़ता है, जिसका सीधा असर भारतीय बाजार पर भी पड़ा है। हालांकि, स्थानीय सर्राफा व्यापारियों का मानना है कि यह गिरावट आम ग्राहकों और आगामी त्योहारों के सीजन में खरीदारी करने वालों के लिए एक अच्छा अवसर साबित हो सकती है। ग्राहकों को ध्यान देना चाहिए कि ये कीमतें बिना टैक्स की हैं। खुदरा दुकान से फिजिकल सोना या चांदी खरीदने पर 3 फीसदी जीएसटी और ज्वैलर्स का मेकिंग चार्ज अलग से लगता है। विशेषज्ञों ने निवेशकों और खरीदारों को बाजार के रुख पर नजर रखने और सावधानी से कदम उठाने की सलाह दी है।

एसआईपी निवेशकों का रुझान बदला, मिडकैप बना नंबर वन, लार्जकैप लुढ़का

- पिछले पांच साल में पारंपरिक निवेश से हटकर व्यापक बाजार की ओर बढ़े निवेशक

नई दिल्ली ।

पिछले पांच साल में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के निवेशकों की पसंद में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। अब उनका रुझान पारंपरिक लार्ज कैप और टैक्स-सेविंग फंड्स की बजाय व्यापक बाजार से जुड़ी कैटेगरी की ओर बढ़ रहा है। उद्योग निकाय एम्फी और रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की ताजा फैक्टबुक के अनुसार, मार्च 2026 में मिड कैप फंड एसआईपी निवेश की सबसे बड़ी कैटेगरी बनकर उभरे हैं, जबकि पांच साल पहले लार्ज कैप फंड सबसे आगे थे। मार्च 2021 में लार्ज कैप फंड 16 फीसदी हिस्सेदारी के साथ सबसे पसंदीदा थे, लेकिन मार्च 2026 तक इनकी हिस्सेदारी घटकर 10 फीसदी रह गई और यह चौथे स्थान पर आ गए। वहीं, मिड कैप फंड की हिस्सेदारी 12.1 फीसदी से बढ़कर 13 फीसदी हो गई, जिससे यह तीसरे से पहले स्थान पर पहुंच गए। स्मॉल-कैप फंड्स की लोकप्रियता भी तेजी से बढ़ी, इनकी हिस्सेदारी 8.3 फीसदी से बढ़कर 12.1 फीसदी हो गई और यह पांचवें से तीसरे स्थान पर आ गए। फ्लेक्सी-कैप फंड (12.8 फीसदी) दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। सेक्टोरल/थीमैटिक फंड्स की हिस्सेदारी 5.8 से बढ़कर 8.7 फीसदी हो गई, यह आठवें से पांचवें स्थान पर पहुंच गए।

दूसरी ओर, ईएलएलएसएस की हिस्सेदारी 12.1 से घटकर 6.8 फीसदी रह गई। मल्टी-कैप फंड भी 4.1 फीसदी हिस्सेदारी के साथ पहली बार टॉप-10 (नौवें स्थान) में शामिल हुए, जबकि बैलेंस्ड हाइब्रिड/एग्रेसिव हाइब्रिड फंड इस सूची से बाहर हो गए हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 307, निफ्टी 95 अंक गिरा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसके अलावा अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से भी बाजार नीचे आया है।

विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 307.24 अंक टूटकर 76,957.27 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 95.25 अंक फिसलकर 24,080.40 पर बंद हुआ।

बाजार की व्यापक स्थिति पर नजर डालें तो आज बीएसई पर कुल 4680 शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2571 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, जबकि 1855 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए और 254 शेयरों में कोई बदलाव नहीं रहा। बेंचमार्क इंडेक्स में कमजोरी के बावजूद, निवेशकों के लिए एक सकारात्मक संकेत निफ्टी मिडकैप 100 में देखा गया, जो 0.24 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ 64,224.75 पर बंद हुआ। हालांकि, स्मॉलकैप इंडेक्स पर दबाव बना रहा और निफ्टी स्मॉलकैप 100 0.74 फीसदी गिरकर 19,931.65 पर आ गया।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से अधिकांश में कमजोरी हावी रही, जहां केवल 9 शेयर ऊपर चढ़े, जबकि 21 में गिरावट दर्ज की गई। बढ़त वाले प्रमुख शेयरों में सन फार्मा, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, एसबीआई, बजाज फिनसर्व और टीसीएस शामिल थे। दूसरी ओर, अधिक गिरावट वाले शेयरों में अदाणी पोर्ट्स, आईटीसी, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस और कोटक बैंक जैसे दिग्गज शेयर शामिल रहे, जिन्होंने इंडेक्स को नीचे खींचने में अहम भूमिका निभाई।बाजार में इस गिरावट के पीछे कई प्रमुख कारण रहे। सबसे पहले, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और मध्य-पूर्व में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने वैश्विक निवेशकों की धारणा को कमजोर किया। इसके साथ ही, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा सितंबर में ब्याज दरों में और बढ़ोतरी की संभावना ने भी बाजार को चिंतित किया। जानकारों ने इस संभावना को बल दिया है, जिससे अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में वृद्धि हुई और डॉलर में मजबूती आई, जिससे उभरते बाजारों से पूंजी निकासी का डर बढ़ गया। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स 419.70 अंक गिरकर 76,844.81 पर और निफ्टी 156.60 अंक फिसलकर 24,019.05 पर कारोबार कर रहा था। इसके अलावा, विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली ने भी एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225, शंघाई का एएसई कंपोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग सभी लाल निशान में बंद हुए।

2031 तक 63 लाख यूनिट तक पहुंच सकता है भारत का कार बाजार- भार्गव

वार्षिक बैठक में भार्गव ने कहा- कर सुधारों ने मुश्किल समय में अर्थव्यवस्था को सहारा दिया

नई दिल्ली । मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन आरसी. भार्गव ने सोमवार को कंपनी की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती ने न केवल वाहन उद्योग बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों को गति दी है। उन्होंने जोर दिया कि कर सुधारों ने पश्चिम एशिया युद्ध जैसी चुनौतियों के बावजूद अर्थव्यवस्था को बेहतर प्रदर्शन करने में मदद की है। भार्गव ने बताया कि भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है और जीएसटी संग्रह रिकॉर्ड स्तर पर है। उनका मानना है कि जीएसटी सुधारों के बिना मुश्किल समय में प्रदर्शन इतना बेहतर नहीं होता। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को इन ऐतिहासिक सुधारात्मक कदमों के लिए धन्यवाद दिया और सरकारों से व्यापार को आसान बनाने तथा प्रौद्योगिकी का अधिक उपयोग करने का आग्रह किया, क्योंकि यह भ्रष्टाचार और विलंब कम करता है। मारुति चेयरमैन ने अनुमान लगाया कि भारतीय कार उद्योग 2031 तक 61 से 63 लाख इकाइयों तक पहुंच जाएगा, जिसमें छोटी कारों का बाजार तेजी से बढ़ेगा। इस वृद्धि को पूरा करने के लिए, मारुति अपनी उत्पादन क्षमता का विस्तार कर रही है, जिसका लक्ष्य 2026-27 तक 29 लाख और 2030-31 तक 36.5 लाख इकाइयों की स्थापित क्षमता हासिल करना है। उन्होंने हरियाणा के खरखौदा, गुजरात के हंसलपुर और साणंद में नए संयंत्रों व विस्तार योजनाओं का उल्लेख किया, जिसमें साणंद में लगभग 35,000 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है।

पार्थ जिंदल बने जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के नए चेयरमैन

स्कोडा फॉक्सवैगन के साथ संभावित साझेदारी की बातचीत के बीच हुई नियुक्ति

मुंबई ।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने सोमवार को घोषणा की कि पार्थ जिंदल को तत्काल प्रभाव से कंपनी का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। वे पहले कंपनी के निदेशक मंडल में शामिल थे और उनकी नियुक्ति ऐसे महत्वपूर्ण समय पर हुई है जब समूह भविष्य की रणनीतिक साझेदारियों की तलाश में है। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया, जेएसडब्ल्यू समूह और चीन की एसएआईसी मोटर का एक संयुक्त उद्यम है। इसमें जेएसडब्ल्यू की 35 फीसदी, एसएआईसी मोटर की 49 और शेष 16 फीसदी हिस्सेदारी भारतीय वित्तीय संस्थानों, डीलर व कर्मचारियों के पास है। पार्थ जिंदल संयुक्त उद्यम की स्थापना के समय से ही निदेशक मंडल में शामिल रहे हैं। उन्होंने कंपनी की उत्पाद रणनीति, विनिर्माण विस्तार और स्थानीयकरण कार्यक्रमों को आकार देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के चेयरमैन के तौर पर अपनी नई जिम्मेदारी के अलावा, पार्थ जिंदल जेएसडब्ल्यू सीमेंट और जेएसडब्ल्यू पेंट्स के प्रबंध निदेशक, जेएसडब्ल्यू ड्यूलक्स लिमिटेड के चेयरमैन तथा जेएसडब्ल्यू एनर्जी के निदेशक मंडल में भी हैं। वह जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के संस्थापक और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीम दिल्ली कैपिटल्स के चेयरमैन एवं सह-मालिक भी हैं।

कैशफ्री पेमेंट्स कारोबारियों के लिए एआई एजेंट लॉन्च, फिनटेक कंपनियां करेंगी कमाई

60 घंटे का काम सिर्फ 45 मिनट में होगा, यह लोन रिकवरी जैसे काम भी करेगा

नई दिल्ली।

फिनटेक कंपनी कैशफ्री पेमेंट्स कारोबारियों के लिए एआई एजेंट लॉन्च कर रही है ताकि भुगतान से जुड़े कामों को स्वचालित बनाया जा सके। भारत में फिनटेक कंपनियां भुगतान की प्रोसेसिंग के अलावा कमाई का नया जरिया बनाने के लिए एजेंटिक यूज केस यानी एआई एजेंट वाले समाधान की ओर बढ़ रही हैं। रिले नाम के इस एआई एजेंट का इस्तेमाल कारोबारी कई कामों के लिए कर सकते हैं, जैसे- फेल हुए पेमेंट को दोबारा प्रोसेस करना, अधूरी कार्ट पर फॉलो-अप करना, कैश-ऑन-डिलिवरी ऑर्डर भेजने से पहले पुष्टि करना, फेल सबस्क्रिप्शन का प्रबंध करना और डिस्प्यूट फाइल करना। कंपनी का लक्ष्य ऐसे एजेंट के जरिये 20,000 करोड़ रुपए की गंवाई हुई ग्रॉस मर्चेंडाइज वैल्यू वापस पाना है। ये एजेंट उन ग्राहकों को प्रेरित कर सकते हैं जिनके लेनदेन बीच में ही रोक देने की संभावना है। ये एजेंट ग्राहकों से वॉइस या टेक्स्ट के जरिये बातचीत शुरू कर सकते हैं या उन्हें छूट देकर लेनदेन पूरा करने के लिए राजी सकते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक कैशफ्री पेमेंट्स के इंजीनियरिंग निदेशक ने कहा कि व्यापारियों के पास परिचालन या ग्रोथ टीम होती है जो यह जानने के लिए ग्राहकों को कॉल करती है कि उन्होंने अपनी कार्ट क्यों रोक दी या पेमेंट के दौरान उन्हें क्या दिक्कतें आईं। ये टीमें ग्राहकों को छूट भी दे सकती हैं। अब ये काम एआई एजेंट करेंगे। एक छोटे या मझोले कारोबार को भुगतान से जुड़े कामों में हफ्ते में करीब 60 घंटे लग सकते हैं। कैशफ्री का दावा है कि वह अपने एजेंट के जरिये इस समय को घटाकर 45 मिनट कर सकती है। यह एजेंट बेंगलूरु की कंपनी के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर काम करता है। कंपनी ने कहा कि कारोबारी लेनदेन का आंकड़ा बाहर के एआई प्रदाता को नहीं भेजा जाता है।

उन्होंने कहा कि इस एजेंट का इस्तेमाल ई-कॉमर्स के अलावा लोन रिकवरी जैसे कामों के लिए भी किया जा सकता है। इसमें ग्राहकों से कॉल पर बात करना, ई-पेमेंट मैंडेट की जांच करना और ग्राहक से दोबारा संपर्क करने का सही समय तय करना शामिल हो सकता है। इस एजेंटिक सेवा के लॉन्च होने से कैशफ्री जैसी फिनटेक कंपनियों के लिए यह कमाई का एक नया जरिया है, जो भुगतान उद्योग की कड़ी प्रतिस्पर्धा और पेमेंट प्रोसेसिंग के बहुत कम मार्जिन पर काम करती हैं।

1 सितंबर से एलपीजी-पीएनजी में होंगे तीन बड़े बदलाव

नई दिल्ली ।

सितंबर महीने की शुरुआत के साथ ही एलपीजी और पीएनजी उपभोक्ताओं के लिए कई अहम बदलाव लागू होंगे। इनका सीधा असर आपकी रसोई के बजट और गैस सेवाओं पर पड़ेगा, जिनमें सिलेंडर के दामों की समीक्षा, ईकेवायसी की अनिवार्यता और नए कनेक्शन की योजनाएं प्रमुख हैं। ऑयल मार्केटिंग कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को घरेलू (14.2 किग्रा) और कमर्शियल (19 किग्रा) एलपीजी सिलेंडर की कीमतें संशोधित करती हैं। अगस्त में घरेलू सिलेंडर स्थिर थे, जबकि कमर्शियल सिलेंडर 192 सस्ता हुआ। उपभोक्ता अब घरेलू गैस के दामों में कटौती की उम्मीद कर रहे हैं। सितंबर में कीमतें घटेंगी, बढ़ेंगी या स्थिर रहेंगी, यह कल ही पता चलेगा। एलपीजी कनेक्शन के लिए आधार-

आधारित बायोमेट्रिक ईकेवायसी कराने का 31 अगस्त अंतिम मौका है। यदि आपने समय रहते ईकेवायसी नहीं कराया, तो 1 सितंबर से आपको सब्सिडी या सिलेंडर आपूर्ति में दिक्कतें आ सकती हैं। इसे आप घर बैठे ऑनलाइन या अपनी गैस एजेंसी पर जाकर पूरा कर सकते हैं।

रुपया 13 पैसे टूटकर 95.56 प्रति डॉलर पर

रुपया शुक्रवार को 95.43 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था

मुंबई ।

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और वैश्विक तनाव के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 13 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.56 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि सितंबर में फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर बढ़ाए जाने के आसार के बीच अमेरिकी बॉन्ड पर प्रतिफल बढ़ा और डॉलर में व्यापक मजबूती आई। इससे निवेशकों की धारणा और प्रभावित हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.56 प्रति डॉलर पर खुला जो पिछले बंद भाव से 13 पैसे की गिरावट है। रुपया शुक्रवार को दो पैसे की मामूली बढ़त के साथ 95.43 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 99.62 पर आ गया।

भारत ने ब्राजील से दवा निर्यात हेतु विश्वसनीय नियामक प्रणाली की मांग की

– मर्कोसुर पीटीए के विस्तार और आधुनिकीकरण पर भी बनी सहमति

नई दिल्ली ।

भारत ने ब्राजील से दवा उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक अधिक विश्वसनीय नियामक व्यवस्था की मांग की है। यह मुद्दा हाल ही में ब्रासीलिया में भारत-ब्राजील व्यापार निगरानी प्रणाली (टीएमएम) की आठवीं बैठक के दौरान उठाया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में दोनों देशों ने सीमित मर्कोसुर तरजीही व्यापार समझौते (पीटीए) के विस्तार और आधुनिकीकरण पर भी सहमति व्यक्त की, जिसका उद्देश्य समग्र द्विपक्षीय व्यापार को गति देना है। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, भारत ने भारतीय दवा उत्पादों के लिए बाजार पहुंच सुगम बनाने हेतु मजबूत और पारदर्शी नियामक प्रक्रियाओं की आवश्यकता पर बल दिया। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने इस बैठक में हिस्सा लिया, जहां भारतीय दवा उत्पादों के लिए बाजार पहुंच को आसान बनाने की दिशा में सकारात्मक प्रगति दर्ज की गई। बैठक में भारत-मर्कोसुर तरजीही व्यापार समझौता (पीटीए) के विस्तार और आधुनिकीकरण की अपार संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। जून 2009 में लागू यह समझौता

वर्तमान में केवल 450 शुल्क मदों तक सीमित है। दोनों पक्ष अब इसके दायरे को बढ़ाकर इसे एक पूर्ण व्यापार समझौते में बदलने के लिए कार्यक्षेत्र की शर्तों को जल्द अंतिम रूप देने पर सहमत हुए हैं। इसका लक्ष्य वर्ष 2025 तक भारत-मर्कोसुर द्विपक्षीय व्यापार को 20.84 अरब डॉलर तक पहुंचाना है। भारत और ब्राजील के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2025-26 में 15.07 अरब डॉलर तक पहुंच गया था, और दोनों देशों ने इसे 2030 तक 30 अरब डॉलर तक ले जाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है।

चीनी की जमाखोरी पर सरकार सख्त, मिलों को अब 7 दिन में बेचना होगा कोटा

सितंबर के पहले पखवाड़े के लिए 13 लाख टन चीनी का कोटा निर्धारित

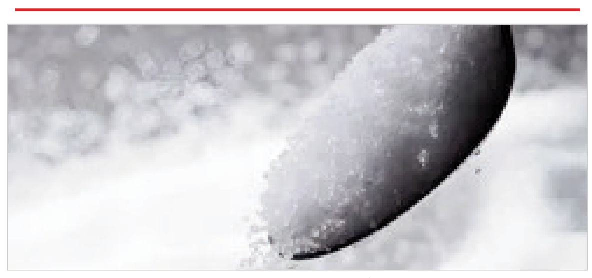

नई दिल्ली ।

बाजार में चीनी की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने और जमाखोरी पर लगाम कसने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इसके तहत, अब चीनी मिलों को अपना आवंटित कोटा रिलीज ऑर्डर मिलने के सात दिनों के भीतर बेचना अनिवार्य होगा, जबकि पहले इसके लिए एक महीने का समय मिलता था। सरकार ने सितंबर 2026 के पहले पखवाड़े (1 से 15 सितंबर) के लिए 13 लाख टन चीनी का कोटा निर्धारित किया है। सरकार के इस नए नियम के तहत, चीनी मिलों को अब एक महीने के बजाय रिलीज ऑर्डर जारी होने के 7 दिनों के भीतर हर हाल में अपना आवंटित चीनी कोटा बाजार में बेचना होगा। रिलीज ऑर्डर एक आधिकारिक अनुमति पत्र होता है, जिसके माध्यम से सरकार यह तय करती है कि कोई भी चीनी मिल एक निश्चित समय-सीमा के भीतर खुले बाजार में कितनी चीनी बेच सकती है। यह व्यवस्था बाजार में चीनी की अत्यधिक आपूर्ति या कमी दोनों को रोकने और कीमतों में स्थिरता बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। इस कड़े नियम का मुख्य उद्देश्य मिलों को अधिक मुनाफे के लालच में चीनी का स्टॉक दबाकर रखने से रोकना है। गणेश चतुर्थी और ओणम जैसे आगामी त्योहारों के दौरान चीनी की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए यह 13 लाख टन का कोटा पर्याप्त माना जा रहा है। सरकार का मानना है कि इस कदम से बाजार में चीनी की कोई कमी नहीं होगी और कीमतें भी काबू में रहेंगी। इसके अतिरिक्त, सरकार ने हाल ही में थोक खरीदारों (जैसे मिठाई और कोल्ड ड्रिंक निर्माता) पर भी 15 दिनों से अधिक का स्टॉक रखने पर पाबंदी लगाई है, जो नवंबर के अंत तक प्रभावी रहेगी।

अल्फा वेव ने बेचे 1,857 करोड़ के शेयर, बड़े संस्थागत निवेशकों ने की खरीदारी

रिपोर्ट के अनुसार, वैनगार्ड, निप्पॉन इंडिया और बीएनपी पारिबा जैसे खरीदार शामिल

नई दिल्ली ।

लेंसकार्ट सॉल्यूशंस के शेयरों में हाल ही में करीब 1,857 करोड़ रुपये की एक बड़ी ब्लॉक डील देखने को मिली। अल्फा वेव से जुड़ी इकाइयों ने कंपनी के बड़े पैमाने पर शेयर बेचे, वहीं घरेलू और विदेशी संस्थागत निवेशकों ने इस बिकवाली का लाभ उठाते हुए महत्वपूर्ण हिस्सेदारी खरीदी। नुवामा की एक रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है, जो बाजार में लेंसकार्ट के प्रति बढ़ते विश्वास को दर्शाती है। नुवामा की रिपोर्ट के अनुसार, अल्फा वेव से जुड़ी तीन अलग-अलग इकाइयों ने मिलकर लेंसकार्ट सॉल्यूशंस के करीब 2.95 करोड़ शेयर बेचे, जिनकी कुल कीमत लगभग 1,857 करोड़ रुपये रही। ये शेयर मुख्य रूप से 630 रुपये प्रति शेयर के भाव पर बेचे गए। रिपोर्ट में बताया गया है कि पहली इकाई ने करीब 285 करोड़ रुपये के 45.21 लाख शेयर बेचे, दूसरी इकाई ने 296 करोड़ रुपये के 46.94 लाख शेयर निकाले, जबकि सबसे बड़ी बिक्री तीसरी इकाई की रही, जिसने 1,276 करोड़ रुपये के 2.03 करोड़ शेयर बेचे।

इस बड़ी बिकवाली के बावजूद, लेंसकार्ट के शेयरों के लिए खरीदारों की लंबी कतार देखी गई, जिसमें कई प्रतिष्ठित घरेलू और विदेशी संस्थागत निवेशक शामिल थे। घरेलू मोर्चे पर, कोटक म्युचुअल फंड ने लगभग 56 करोड़ रुपये के 8.76 लाख शेयर खरीदे, रेडव्हील ने 59 करोड़ रुपये के 9.37 लाख शेयर और घिसालो मास्टर फंड ने 64 करोड़ रुपये के 9.98 लाख शेयर खरीदे। विदेशी संस्थागत निवेशक भी पीछे नहीं रहे।

बीओएफए ने 38 करोड़ रुपये के 6.07 लाख शेयर, विरिडियन एशिया अपॉर्च्युनिटी फंड ने भी इतनी ही कीमत के शेयर और बीएनपी पारिबा ने 3.93 लाख शेयर 642 रुपये के भाव पर खरीदे। इसके अलावा, कुवैत इन्वेस्टमेंट ने भी लगभग 43 करोड़ रुपये के 6.73 लाख शेयर खरीदे।

खरीदारों में वैनगार्ड और निप्पॉन इंडिया इक्विटी जैसे बड़े नाम भी शामिल थे। निप्पॉन इंडिया इक्विटी ने लगभग 13 करोड़ रुपये के 2 लाख शेयर खरीदे। वैनगार्ड के विभिन्न फंडों जैसे वैनगार्ड एफ्टीएसई ऑल वर्ल्ड और वैनगार्ड एफटीएसई इमर्जिंग मार्केट ने भी लेंसकार्ट के शेयरों में खरीदारी की।

यह लेनदेन दर्शाता है कि भले ही शुरुआती निवेशकों ने मुनाफावसूली की हो, लेकिन बाजार में लेंसकार्ट के भविष्य को लेकर अभी भी मजबूत भरोसा बरकरार है।

उर्वरक खरीद को भूमि रिकॉर्ड से जोड़ेगी सरकार

आईएफएमएस डिजिटल निगरानी प्रणाली का दायरा बढ़ाया

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने उर्वरक खरीद को किसानों के भूमि रिकॉर्ड से जोड़ने और सब्सिडी भुगतान की बेहतर निगरानी के लिए एकीकृत उर्वरक प्रबंधन प्रणाली (आईएफएमएस) का विस्तार करने की घोषणा की है। एनआईसी द्वारा संचालित इस डिजिटल मंच पर 14 करोड़ से अधिक आधार-लिंक्ड खरीदार और 2.5 लाख खुदरा विक्रेता पंजीकृत हैं। नए डैशबोर्ड के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर से लेकर खुदरा विक्रेता स्तर तक उर्वरक की आपूर्ति और किल्लत की जानकारी पहले ही मिल सकेगी।सरकार ने रविवार को कहा कि वह उत्पादन से लेकर खुदरा बिक्री तक उर्वरकों की निगरानी करने वाले देशव्यापी डिजिटल मंच का विस्तार कर रही है।

इसके तहत उर्वरकों की खरीद को व्यक्तिगत किसानों के भूमि रिकॉर्ड से जोड़ने और सब्सिडी भुगतान की अधिक करीबी निगरानी के लिए नई सुविधाएं जोड़ी जा रही हैं। उर्वरक विभाग द्वारा राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) की तकनीकी मदद से संचालित एकीकृत उर्वरक प्रबंधन प्रणाली (आईएफएमएस) में 14 करोड़ से अधिक आधार से जुड़े खरीदार और 2.5 लाख से अधिक खुदरा विक्रेता पहले ही दर्ज हैं।

यह प्रणाली हर साल करीब सात करोड़ टन उर्वरक की बिक्री का प्रसंस्करण करती है। इसके तहत करीब दो लाख करोड़ रुपये की सालाना उर्वरक सब्सिडी से जुड़े लेनदेन पर नजर रखी जाती है।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि विभाग नए डैशबोर्ड विकसित कर रहा है, जिनके माध्यम से अधिकारियों को राष्ट्रीय, राज्य, जिला और खुदरा विक्रेता स्तर पर उर्वरक के उत्पादन, आयात, आपूर्ति, भंडार और खुदरा बिक्री की एकीकृत जानकारी मिल सकेगी।

6,6,6,6,6,6,6 दलीप ट्रॉफी में वैभव सूर्यवंशी की तूफानी बल्लेबाजी

8 रन से शतक से चूके पर तोड़ दिया 57 साल पुराना रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी का रिकॉर्ड तोड़ने का सिलसिला थमने नहीं वाला। मौजूदा चैंपियन सेंट्रल जोन के खिलाफ दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में ईस्ट जोन टीम के लिए खेल रहे इस युवा ओपनिंग बल्लेबाज ने टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे कम उम्र में अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने 57 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ते हुए 15 साल 157 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की।

कप्तान ईशान किशन की गैर-मौजूदगी में ईस्ट जोन टीम की कप्तानी करने वाले सूर्यवंशी ने सोमवार को जबरदस्त बल्लेबाजी की और अर्धशतक लगाया। सूर्यवंशी ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी शैली को जारी रखते हुए तीन छक्कों और पांच चौकों की मदद से 42 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। इसी के साथ ही सूर्यवंशी अब दलीप ट्रॉफी में यह बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। हालांकि वह

अपने शतक से 8 रन दूर रह गए नहीं तो वह सबसे कम उम्र शतक लगाने वाले खिलाड़ी जाते।

दलीप ट्रॉफी में अर्धशतक लगाने वाले सबसे युवा क्रिकेटर बने

सूर्यवंशी ने लक्ष्मण सिंह का 57 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 16 साल 23 दिन की उम्र में टूर्नामेंट में अपना पहला अर्धशतक लगाया था। तब वह दलीप ट्रॉफी में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी थी और 57 साल से यह रिकॉर्ड कायम था। लेकिन सूर्यवंशी ने 15 साल 157 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाकर इसे धवस्त कर दिया। इस लिस्ट में जाने माने क्रिकेटर पीयूष चावला नाम भी है जिन्होंने जिन्होंने 16 साल 307 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया था।

दलीप ट्रॉफी में सबसे कम उम्र में अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ी

1. वैभव सूर्यवंशी- 15 साल 157 दिन
2. लक्ष्मण सिंह (1969)- 16 साल 23 दिन
3. पीयूष चावला (2025)- 16 साल 307 दिन

पहले दिन अनुभवी तेज गेंदबाज मुकेश कुमार और उनके साथी राइट-आर्म मीडियम पेसर अभिजीत सरकार ने तीन-तीन विकेट लिए और सेंट्रल जोन की टीम को 80.1 ओवर में 266 रनों पर ऑलआउट कर दिया। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन का फैसला एकदम सही साबित हुआ। मुकेश (3/56) और सरकार (3/38) ने मिलकर 6 विकेट लिए, जबकि मोहम्मद शमी (2/42) और ऑफ-स्पिनर मोहम्मद कौनेन कुरैशी (2/49) ने 2-2 विकेट लेकर सेंट्रल जोन की पारी समेट दी।

हालांकि, सुबह के सेशन के दौरान दाहिनी कलाई पर चोट लगने के कारण किशन को बीच में ही मैदान से बाहर जाना पड़ा। जब किशन चोट का इलाज कराने के लिए बाहर थे, तो लंच के आस-पास लगभग एक घंटे तक सूर्यवंशी ने ईस्ट जोन की कप्तानी संभाली। बाद में किशन वापस आए और टीम की कमान अपने हाथों में ली।

फुटबॉल प्रीमियर लीग : चेल्सी ने जीत का सिलसिला जारी रखा, ब्राइटन को हराया

मैड्रिड (एजेंसी)। चेल्सी ने प्रीमियर लीग के अपने पहले ही मैच में ब्राइटन पर 4-3 की रोमांचक जीत दर्ज की और इस तरह सीजन की अपनी विजयी शुरुआत का सिलसिला जारी रखा। रोमियो लाविया, पेड्रो नेटो और जोआओ पेड्रो के गोलों ने घरेलू टीम को तीन गोल की बढ़त दिला दी, जिसे ब्राइटन के जुझारू पलटवार और उनकी अपनी कमजोर रक्षात्मक रणनीति ने लगभग खत्म कर दिया।

यूएस ओपन में बड़ा उलटफेर

नोवाक जोकोविच पहले राउंड में हारकर टूर्नामेंट से हुए बाहर

यूएस (एजेंसी)। चार बार के यूएस चैंपियन नोवाक जोकोविच का यूएस ओपन 2026 का सफर शुरू होते ही खत्म हो गया. उन्हें टूर्नामेंट के पहले ही राउंड में अर्जेंटीना के मारियानो नावोने से दर्दनाक हार का सामना करना पड़ा. इसके साथ जोकोविच के रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम का खिताब जीतने का सपना भी टूट गया।

मारियानो नवोन ने सोमवार को पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में जोकोविच को हराकर बड़ा उलटफेर किया. उन्होंने 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन को 2006 के बाद पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के शुरुआती दौर में हार का स्वाद चखाया. यह मैच चार घंटे 36 मिनट तक चला, जो किसी मेजर टूर्नामेंट का अब तक का सबसे लंबा पहला राउंड था। चौथी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी जोकोविच ने पहला सेट हारने के बाद वापसी की कोशिश की, लेकिन रात भर शारीरिक दिक्कतों से जूझने के बाद आखिरकार वे 6-7, 7-5, 6-4, 2-6, 1-6 से हार गए।

जोकोविच भावुक होकर रो पड़े – आर्थर ऐश स्टेडियम में मैच की शुरुआत से ही जोकोविच को शारीरिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा था. इस दौरान वो कोर्ट पर ही भावुक होकर रो पड़े. खराब मौसम के कारण छत बंद होने से पहले, 39 वर्षीय खिलाड़ी बार-बार अपने सिर पर आइस बैग का इस्तेमाल कर रहे थे. उन्होंने न्यूयॉर्क की उमस भरी गर्मी में सुपरवाइजर से यह भी पूछा कि क्या छत बंद होने के बाद एयर कंडीशनिंग चालू की जा सकती है।

जोकोविच ने सुनहरा मौका गंवाया – जोकोविच के पास यूएस ओपन 2026 जीतकर अपना 25वां ग्रैंड स्लैम जीतने का सुनहरा मौका था, क्योंकि चोट के कारण वर्ल्ड नंबर 1 जैनिक सिनर इस टूर्नामेंट में नहीं खेल रहे हैं. जबकि डिफेंडिंग चैंपियन कार्लोस अल्काराज चोट से ठीक होने के बाद अपना पहला टूर्नामेंट खेलने वाले हैं. लेकिन जोकोविज पहले ही राउंड में बाहर होकर सबको चौंका दिया।

जोकोविच को हराने के बाद नवोन ने क्या कहा?

नवोन ने मैच के बाद कहा, यह अद्भुत है, जिस तरह से हमने गॉट (सर्वकालिक महान खिलाड़ी) के खिलाफ पांच सेट का मुकाबला खेला, उससे मैं बहुत खुश हूं. मुझे नहीं पता, मैं क्या कहूं?अपने आदर्श खिलाड़ियों में से एक, जोकोविच का पहली बार सामना करने के बारे में नावोन ने कहा, यह अविश्वसनीय है. मेरे लिए इसका बहुत महत्व है. यह एक सपना सच होने जैसा है. सच कहूं तो, 100 प्रतिशत. अब मुझे रिकवर करना है. मुझे लगता है कि लगभग 12 बज चुके हैं, इसलिए हमें सोने जाना होगा।

पाकिस्तान की एक और शर्मनाक हार

इंग्लैंड ने दूसरा टेस्ट 194 रनों से जीतकर सीरीज अपने नाम की

लॉड्र्स (एजेंसी)। इंग्लैंड ने दूसरे टेस्ट मैच में पाकिस्तान को 194 रनों से हराया। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजय बढ़त बना ली. इंग्लैंड ने पाकिस्तान के सामने जीत के लिए 389 रनों का लक्ष्य रखा था, लेकिन पाकिस्तान अपनी दूसरी पारी में सिर्फ 194 रनों पर ऑल आउट हो गया. इस तरह पाकिस्तान लॉर्ड्स टेस्ट और सीरीज दोनों हार गया. इंग्लैंड के लिए ओली रॉबिन्सन और जोश टोंग ने शानदार प्रदर्शन किया. रॉबिन्सन ने मैच कुल 8 विकेट लिए, जिसकी वजह से उनको प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड दिया गया।

पाकिस्तान की बल्लेबाजी चिंता का विषय – इंग्लैंड दौरे पर पाकिस्तान की बल्लेबाजी चिंता का विषय बन गई है. लॉर्ड्स टेस्ट मैच की पहली पारी में 110 रनों पर ऑल आउट होने के बाद, पाकिस्तान की बल्लेबाजी दूसरी पारी में भी फ्लॉप रही. मिडिल-ऑर्डर के बल्लेबाज सऊद शकील ने जरूर डटकर बल्लेबाजी की और पाकिस्तान को जिताने की कोशिश की, लेकिन उनकी कोशिशें रंग नहीं लाई। दूसरी पारी में पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा रन सऊद शकील ने बनाए, लेकिन यह खिलाड़ी अपना शतक पूरा नहीं कर सका. जहां शकील ने डटकर बल्लेबाजी की और 97 रन बनाए, वहीं दूसरी तरफ कोई भी खिलाड़ी उनका साथ नहीं दे सका. पाकिस्तान की बल्लेबाजी इतनी खराब रही कि पूरी टीम एक ही दिन में ऑल आउट हो गई और मैच एक दिन पहले ही खत्म हो गया। इससे पहले, मैच के चौथे दिन इंग्लैंड की पूरी टीम दूसरी पारी में 208 रनों पर ऑल आउट हो गई थी. इंग्लैंड के लिए चौथा दिन अच्छा शुरू नहीं हुआ. 7 विकेट पर 177 रनों के स्कोर में सिर्फ 9 रन जोड़ने के बाद, डेन लॉरेंस को मोहम्मद अब्बास ने क्लीन बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया. लॉरेंस ने शानदार बल्लेबाजी की और अर्धशतकीय पारी खेली. उन्होंने 7 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 70 गेंदों में 54 रन बनाए।

एशिया कप टी-20 में दीप्ति शर्मा ने रचा इतिहास

एक मेडन, 0 रन, 3 विकेट

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने महिला एशिया कप में थाईलैंड के खिलाफ तीन विकेट लेकर इतिहास रच दिया। टीम इंडिया ने महिला एशिया कप 2026 में जीत के साथ शानदार शुरुआत की. उन्होंने रविवार (30 अगस्त) को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में थाईलैंड को 94 रनों से हराया. भारत ने 159 रन बनाने के बाद थाईलैंड को 16.1 ओवर में 65 रन पर ऑल आउट कर दिया. इस मैच में भारत की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने इतिहास रच दिया।

तीसरी भारतीय महिला क्रिकेटर बनी – ये दीप्ति शर्मा का 150वा टी20 इंटरनेशनल मैच था. जिसके साथ वह हरमनप्रीत कौर (203) और स्मृति मंधाना (172) के बाद 150 या उससे अधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली तीसरी भारतीय बन गई. इसके अलावा दुनिया में वह 150 या उससे अधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलने वाली केवल 12वीं महिला क्रिकेटर हैं।

अपने 150वें टी20 इंटरनेशनल मैच में, उन्होंने 7 गेंदों में 3 विकेट लेकर महिला टी-20 में सबसे ज्यादा विकेट लेने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया. इस दौरान उन्होंने थाई स्पिनर टिपचा पुट्टावोंग का रिकॉर्ड तोड़ा।

महिला टी-20 में सबसे ज्यादा विकेट

दीप्ति शर्मा 150 मैचों में 171 विकेट के साथ महिला टी-20 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाजों की लिस्ट में टॉप पर पहुंच गई. थाईलैंड की टिपचा पुट्टावोंग दूसरे नंबर पर हैं. रवांडा की हेनरीट इशिमवे 134 मैचों में 164 विकेट के साथ लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं. इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन ने अब तक 113 टी-20 में 154 विकेट लिए हैं और वह चौथे नंबर पर हैं।

थाईलैंड 65 रन पर ऑल आउट

मैच की बात करें तो पहले बल्लेबाजी करते हुए, अच्छी शुरुआत के बावजूद भारत 9 विकेट खोकर सिर्फ 159 रन ही बना सका. शेफाली वर्मा ने सबसे ज्यादा 64 रन बनाए, जबकि प्रतिका रावल ने 22 रन का योगदान दिया. स्मृति मंधाना 19 रन पर रन आउट हो गई. जवाब में, थाईलैंड की महिला टीम 16.1 ओवर में 65 रन पर ऑल आउट हो गई. मैच में शानदार पारी खेलने के लिए शेफाली वर्मा को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का अवॉर्ड दिया गया।

0 रन देकर 3 विकेट लेने का रिकॉर्ड – दाएं हाथ की ऑफ-स्पिनर दीप्ति ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 1.1 ओवर में एक मेडन, बिना कोई रन दिए तीन विकेट लिए. इसके साथ वो टी20 में सबसे कम रन देकर तीन विकेट ये उससे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड भी अफने नाम कर लिया. इससे पहले ये रिकॉर्ड रेणुका सिंह के नाम था, जिन्होंने 2022 में पांच रन देकर तीन विकेट लिए थे। दीप्ति ने इस उपलब्धि को गर्व का क्षण बताया, लेकिन कहा कि उनका ध्यान अपनी गेंदबाजी में लगातार सुधार करने और टीम के लिए योगदान देने पर है. उन्होंने कहा, 150 से ज्यादा विकेट लेने से भी ज्यादा गर्व की बात भारतीय लोगो के साथ भारतीय जर्सी पहनना है. एक भारतीय खिलाड़ी के तौर पर सही चीजें करना ही सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा, मैं यह नहीं सोचती कि मेरा सामना किस खिलाड़ी या टीम से होने वाला है. मेरा ध्यान इस बात पर रहता है कि मैं खुद को कैसे बेहतर बनाती रहूं और अपनी गेंदबाजी इकाई की कैसे मदद करूं।

हैदराबाद मैराथन के 15वें एडिशन में हजारों लोगों ने लिया हिस्सा, इथियोपिया के धावकों ने मारी बाजी

हैदराबाद (एजेंसी)। देश की सबसे बड़ी मैराथन, एनएमडीसी हैदराबाद मैराथन के साथ हैदराबाद में उत्साह का माहौल रहा. तेलंगाना, दूसरे राज्यों और विदेशों से आए हजारों धावकों ने पूरे जोश के साथ फुल, हाफ और 10किमी मैराथन के 15वें एडिशन में हिस्सा लिया. दौड़ पीपल्स प्लाजा नेकलेस रोड से शुरू हुई और गच्चीबॉवली स्टेडियम पर खत्म हुई।

23 देशों के धावकों ने हिस्सा लिया – आयोजकों ने बताया कि इस मैराथन में 32,000 धावकों ने रजिस्ट्रेशन कराया था और इसमें देश के बड़े शहरों के साथ-साथ 23 देशों के धावकों ने हिस्सा लिया. फुल मैराथन सुबह 4.30 बजे शुरू हुई, जबकि हाफ मैराथन सुबह 5.30 बजे शुरू हुई. मैराथन को त॥स्ट्ट कमिश्नर आर.वी कर्णन ने हरी झंडी दिखाई। धावकों ने हुसैन सागर झील, लोक भवन, केवीआर पार्क, जुबली हिल्स रोड नंबर 45, दुर्गम चेरुवु केबल ब्रिज और बायोडायवर्सिटी जंक्शन से होते हुए गच्चीबॉवली स्टेडियम पहुचे. कर्णन ने कहा कि यह गर्व की बात है कि शहर में ऐसी मैराथन आयोजित की जाती है। बता दें कि एक फुल मैराथन 42.195 किलोमीटर

(26.2 मील) की होती है और हाफ मैराथन 21.0975 किलोमीटर (13.1 मील) की होती है.

हैदराबाद मैराथन के विनर – इथियोपिया की एमाने सेफू महिलाओं की एलीट कैटेगरी में चैंपियन बनीं, उन्होंने मैराथन 2.46.29 में पूरी की. इथियोपिया की त्सेगा डेस्टा 2.46.57 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि केन्या की टेरेसिया ओमोसा ने 2.47.17 के समय के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। भारतीय महिलाओं में, निर्मबेन ठाकोर सबसे आगे रहीं और उन्होंने 2.50.20 का समय लिया. उनके बाद भागीरथी नॉन (2.51.41), मीनाक्षी नेगी (3.08.43), मारिपल्ली उमा (3~18~22) और भगवती डांगी (3.31.28) रहीं। पुरुषों की एलीट कैटेगरी में, इथियोपिया के सेबोका नेगुसे 2.20.57 के समय के साथ चैंपियन बने. केन्या के फेलिक्स किमुताई ने 2.20.57 का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि उनके साथी फ्रांसिस चेरुइयोट ने 2.21.29 में तीसरा स्थान प्राप्त किया। भारतीय पुरुषों में, गोपी थोनाकल सबसे आगे रहे और उन्होंने कुल मिलाकर चौथा स्थान (2.21.46) हासिल किया. उनके बाद मान सिंह (2.23.56), प्रदीप सिंह चौहान (2.26.12), रंजीत सिंह (2.27.49) और बुगाथा श्रीनू (2.29.56) रहे।

पैरा टेबल टेनिस

भारतीय खिलाड़ियों ने फिनलैंड में जीते 16 पदक, 6 स्वर्ण के साथ अभियान समाप्त

फिनलैंड (एजेंसी)। भारतीय पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने फिनलैंड में आयोजित आईटीटीएफ वर्ल्ड पैरा फ्यूचर लाहटी टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय दल ने प्रतियोगिता में कुल 16 पदक अपने नाम किए, जिसमें छह स्वर्ण, चार रजत और छह कांस्य पदक शामिल रहे। भारतीय खिलाड़ियों ने एकल स्पर्धाओं में 10 पदक जीते। इसके बाद युगल मुकाबलों में भी टीम का शानदार प्रदर्शन जारी रहा और भारत ने दो स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य समेत कुल छह पदक हासिल किए।

पुरुष युगल में रमेशभाई और सुमित ने जीता गोल्ड

रमेशभाई चौधरी और सुमित सहगल ने पुरुष युगल में भारत को स्वर्ण पदक दिलाया। फाइनल मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने दक्षिण अफ्रीका के इब्राहिम अब्दुल्ला और रकन अब्दुल रहमान को सीधे गेमों में 3-0 से हराया। इस जीत के साथ भारतीय जोड़ी ने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया।

सुमित सहगल ने मिश्रित युगल में भी जीता स्वर्ण

सुमित सहगल ने मिश्रित युगल में भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने दीपिका रानी रामनाथन के साथ जोड़ी बनाकर खिताब पर कब्जा किया। फाइनल में सुमित और दीपिका की जोड़ी ने फिनलैंड के टिमो कालावेई और ऐनो तापोला को 3-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इस तरह सुमित ने टूर्नामेंट में दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए।

सोनल पटेल और रमेशभाई ने जीता रजत

मिश्रित युगल में सोनल पटेल और रमेशभाई चौधरी की जोड़ी ने भी शानदार प्रदर्शन किया और रजत पदक हासिल किया। इसके अलावा भारतीय खिलाड़ियों ने तीन कांस्य पदक भी जीते।

डीपीएल 2026 में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने जीता खिताब

फाइनल में सेंट्रल दिल्ली किंग्स को 7 विकेट से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने शानदार बल्लेबाजी के दम पर सेंट्रल दिल्ली किंग्स को 7 विकेट से हराकर दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए रोमांचक फाइनल में साउथ दिल्ली ने 183 रन के लक्ष्य को महज 18.2 ओवर में 186/3 बनाकर हासिल कर लिया।

सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने बनाए 182 रन – टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी सेंट्रल दिल्ली किंग्स की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट पर 182 रन बनाए। समरथ सिंह ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 27 गेंदों में 51 रन की पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में कई शानदार शॉट लगाए। कप्तान जोंटी सिद्धू ने भी तेजी से रन बनाए और सिर्फ 19 गेंदों में 36 रन ठोके। उनकी पारी में तीन छक्के शामिल रहे। युगल सैनी ने 29 गेंदों पर 32 रन बनाए, जबकि मनी ग्रेवाल ने आखिरी ओवरों में सिर्फ 7 गेंदों पर 18 रन की तेज पारी खेलकर टीम का स्कोर 180 के पार पहुंचाया।

दिवांश रावत की शानदार गेंदबाजी – साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज के गेंदबाजों ने सेंट्रल दिल्ली को बड़े स्कोर तक पहुंचने से रोकने में अहम भूमिका निभाई।

अंकुर ने अपना पहला डब्ल्यूटीटी खिताब और युगल में स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी अंकुर भट्टाचार्य ने चेक गणराज्य में आयोजित डब्ल्यूटीटी फीडर ओलोमोक टूर्नामेंट में अपना पहला डब्ल्यूटीटी पुरुष एकल खिताब जीता और आकाश पाल के साथ युगल वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल करके दोहरी सफलता हासिल की। विश्व रैंकिंग में 78वें नंबर के खिलाड़ी अंकुर ने एकल फाइनल में स्लोवेनिया के तीसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी डेनी कोजुल को 3-1 (9-11, 11-4, 11-5, 11-6) से हराया। इससे पहले उन्होंने आकाश के साथ मिलकर पुरुष युगल फाइनल में हंगरी के साबा एंड्रास सैंटोसी और पोलैंड के एलन कुलज़िकी ज़ालेव्स्की को 3-1 (11-8, 4-11, 13-11, 11-9) से हराया था। अंकुर के लिए एकल फाइनल की शुरुआत अच्छी नहीं रही, क्योंकि कोजुल ने पहला गेम 11-9 से जीत लिया। भारतीय खिलाड़ी ने हालांकि जल्द ही अपनी लय हासिल कर ली और अगले तीन गेम जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया। पुरुष युगल में अंकुर और आकाश ने पहला गेम 11-8 से जीता, लेकिन सैंटोसी और जालेव्स्की ने दूसरे गेम में 11-4 से जीत हासिल करके स्कोर बराबर कर दिया। तीसरे गेम में कड़ी टक्कर के बाद भारतीय जोड़ी ने 13-11 से जीत हासिल करके फिर से बढ़त हासिल ली और फिर चौथे गेम में भी अपना संयम बनाए रखते हुए 11-9 से जीत दर्ज की। अंकुर ने इस तरह से डब्ल्यूटीटी फीडर सीरीज में शानदार सत्र का समापन किया। यहां खिताब जीतने से पहले उन्होंने 2026 में दो टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल और दो टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

संघर्षविराम के बावजूद गाजा में इस्राइली सेना के हमले, पांच की मौत

गाजा, एजेंसी। अमेरिका की मध्यस्थता में हुए संघर्षविराम के बावजूद गाजा में इस्राइली सेना के हवाई हमले जारी हैं। शुक्रवार को इन हमलों में पांच लोगों की मौत हुई। स्थानीय अस्पताल अधिकारियों के मुताबिक, खान यूनिस के पास एक घर पर हुए हमले में दो भाइयों समेत तीन लोगों की जान गई। गाजा सिटी में अलग-अलग हमलों में दो अन्य लोगों की मौत हुई। ईरान ने अमेरिकी आर्थिक प्रतिबंधों को 'आर्थिक आतंकवाद' बताया है। दूसरी ओर, फिनलैंड ने यूएनआरडब्ल्यूए को सहायता देने का समझौता आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। ब्रिटेन ने गाजा संघर्षविराम निगरानी केंद्र से अपने अधिकारियों को हटाने के किसी भी इस्राइली कदम का विरोध किया है।

एंथ्रोपिक को काली सूची में डालने के पेंटागन फैसले पर संघीय कोर्ट की रोक

पेंटागन , एजेंसी। अमेरिका के एक न्यायाधीश ने रक्षा मुख्यालय पेंटागन की तरफ से एंथ्रोपिक को काली सूची में डालने के फैसले पर रोक लगा दी। कैलिफोर्निया की संघीय अदालत में एंथ्रोपिक के मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने अपनी अधिकार-सीमा से बाहर जाकर क्लाउड बनाने वाली कंपनी एंथ्रोपिक को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आपूर्ति श्रृंखला जोखिम करार दिया। हेगसेथ के एक अभूतपूर्व कदम ने एंथ्रोपिक को कुछ सैन्य अनुबंधों से रोक दिया। यह कदम तब उठाया गया जब एंथ्रोपिक ने सेना को अपने क्लाउड एआई मॉडल का इस्तेमाल अमेरिकी निगरानी या ऑटोनॉमस हथियारों के लिए करने की इजाजत देने से इन्कार कर दिया।

इक्वाडोर के पूर्व राष्ट्रपति मोरेनो भ्रष्टाचार मामले में दोषी

इक्वाडोर , एजेंसी। इक्वाडोर की एक अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति लेनिन मोरेनो को देश के सबसे बड़े हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट से जुड़े रिश्वत मामले में दोषी मानते हुए पांच साल जेल की सजा सुनाई गई है। अदालत ने उन्हें भविष्य में किसी भी सार्वजनिक पद पर रहने से भी स्थायी रूप से अयोग्य करार दिया है। 73 साल के मोरेनो को चीन की सरकारी कंपनी सिनोहाइड्रो से रिश्वत लेने और हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्लांट के ठेके से जुड़े भ्रष्टाचार नेटवर्क में प्रत्यक्ष भूमिका निभाने का दोषी पाया गया। यह मामला करीब दो अरब डॉलर की लागत से बने 'कोका कोडो सिनक्लेयर हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्लांट' से जुड़ा है। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, 2009 से 2018 के बीच फर्जी कंसल्टेंसी कॉन्ट्रैक्ट के जरिए करीब 7.61 करोड़ डॉलर की रिश्वत का लेन-देन किया गया। जांच में आरोप लगाया गया कि इस रकम को विदेशों में खातों और शेल कंपनियों के जरिए पहुंचाया गया।

पाकिस्तान में पुलिस वाहन पर हमला, तीन पुलिसकर्मी घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शनिवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने पुलिस वाहन पर हमला कर दिया। इस हमले में तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, हमला टैंक जिले में डेरा इस्माइल खान रोड पर चकन इलाके के पास हुआ। हमलावरों ने घात लगाकर पुलिस वाहन पर गोलीबारी की। फायरिंग के बाद वाहन पलट गया, जिससे उसमें सवार तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। प्रतिबंधित आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। पुलिस ने इलाके में जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, हमले से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है।

ईरान के नए नेतृत्व ने विरोध के खिलाफ सख्त रुख के संकेत दिए

तेहरान, एजेंसी। छह महीने से जारी युद्ध के बाद ईरान का नया नेतृत्व देश के भीतर किसी भी तरह के विरोध को रोकने के लिए सख्त रुख अपना रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, नए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने अपने आसपास लंबे समय से भरोसेमंद सहयोगियों को महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त किया है। इनमें ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के नए सचिव मोहसेन रेजाई और बसीज के नए प्रमुख हुसैन ताएब शामिल हैं। खामेनेई ने अभी तक सार्वजनिक रूप से सामने आकर कोई बयान नहीं दिया है। उनके पिता और कई वरिष्ठ नेताओं की 28 फरवरी को युद्ध की शुरुआत में हुए अमेरिकी-इस्राइली हमलों में मौत हो गई थी।

अस्पताल अग्निकांड पर शहबाज सख्त, नवजातों की मौत पर अफसरों पर गिरी गाज; किस-किस पर होगी कार्रवाई?

इस्लामाबाद, एजेंसी। इस्लामाबाद के पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज यानी पीआईएमएस के स्त्री रोग वार्ड में बुधवार को भीषण आग लग गई थी। इस हादसे में 14 नवजात बच्चों की मौत हो गई थी। घटना के कुछ दिन बाद प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने जांच समिति की अंतरिम रिपोर्ट के आधार पर आठ अधिकारियों को उनके पद से हटाने और निलंबित करने का आदेश दिया। प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक, इन अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के साथ संबंधित कानूनों के तहत आपराधिक कार्रवाई भी शुरू की जाएगी।

किन अधिकारियों पर गिरी गाज : कार्रवाई की जद में पीआईएमएस के कार्यकारी निदेशक डॉ. राणा इमरान सिकंदर, संयुक्त कार्यकारी निदेशक डॉ. मुताहिर शाह और डॉ. चौधरी अवैस अली शाह शामिल हैं। इनके अलावा नवजात विभाग की प्रमुख प्रोफेसर डॉ. सादिया रियाज, वरिष्ठ रजिस्ट्रार डॉ. नगहम और डॉ. नौशिला अमजद पर भी कार्रवाई हुई है। पीआईएमएस के सुरक्षा सहायक निदेशक मोहम्मद उस्मान और राजधानी विकास प्राधिकरण के आपात सेवा महानिदेशक डॉ. अब्दुल रहमान को भी पद से हटाने का आदेश दिया गया है।

क्या अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर भी कार्रवाई होगी : प्रधानमंत्री ने अस्पताल की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाली कंपनी और उसके अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई को मंजूरी दी है। इससे साफ है कि सरकार हादसे के लिए केवल अस्पताल के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने तक सीमित नहीं रहना चाहती। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, जिन अधिकारियों को उनके पदों से हटाया गया है, उनकी जगह नए अधिकारियों की तत्काल नियुक्ति करने का निर्देश भी दिया गया है।

पीआईएमएस का नया कार्यकारी निदेशक कौन होगा : प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. मोहम्मद सलमान को पीआईएमएस का कार्यकारी निदेशक बनाने की मंजूरी दी है। वह फिलहाल कार्यकारी निदेशक की जिम्मेदारी संभालेंगे। प्रधानमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को हटाए जाने के बाद खाली हुए पदों पर तत्काल नए लोगों की नियुक्ति करने का भी निर्देश दिया है। सरकार का यह कदम अस्पताल के प्रशासन और व्यवस्था को तुरंत सामान्य करने की कोशिश के तौर पर सामने आया है।

बच्चों को बचाने वाली नर्स को क्या सम्मान मिलेगा : हादसे के दौरान एक बच्चे की जान बचाने वाली नर्स रजिया नूरीन को प्रधानमंत्री ने सम्मानित करने का फैसला किया है। उन्हें सितारा-ए-खिदमत पुरस्कार दिया जाएगा और 10 लाख पाकिस्तानी रुपये की राशि भी दी जाएगी। प्रधानमंत्री ने उनकी बहादुरी और मानवता की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना बच्चे को बचाया। उन्होंने कहा कि देश को ऐसी जिम्मेदार और कर्तव्यनिष्ठ नर्स पर गर्व है।

हादसे के बाद सरकार ने पीड़ित परिवारों से क्या कहा : स्वास्थ्य मंत्री मुस्तफा कमाल और संसदीय मामलों के मंत्री डॉ. तारिक फजल चौधरी ने शनिवार को पीआईएमएस के बच्चों के वार्ड का दौरा किया। दोनों मंत्रियों ने आग में अपने बच्चों को खोने वाले परिवारों से मुलाकात की। इस दौरान हादसे में जान गंवाने वाले नवजातों के परिवारों से बातचीत की गई। घटना के बाद सरकार की ओर से जांच और जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है।

फलस्तीन समर्थक छात्रों का अमेरिकी वीजा रद्द नहीं होगा; अफ्रीकी देश नाइजर में सैनिक विद्रोह

गाजा, एजेंसी। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने शुक्रवार को अपने फैसले में कहा कि फलस्तीन के समर्थन और इस्राइल की आलोचना करने वाले विदेशी छात्रों के वीजा रद्द करना और उन्हें देश से निकालने की कार्रवाई शुरू करना असांविधानिक है।कैलिफोर्निया के सैन जोस में जिला जज नोएल वाइज ने ट्रंप प्रशासन की वीजा रद्द करने की कार्रवाई की कड़ी आलोचना की। कोलंबिया यूनिवर्सिटी की भारतीय छात्रा रजनी श्रीनिवासन समेत कई छात्रों के वीजा रद्द हुए थे। जज ने अपने फैसले में कहा कि विदेश विभाग और गृह सुरक्षा विभाग ने आव्रजन कानून की धाराओं का इस्तेमाल उन गैर-अमेरिकी नागरिकों के खिलाफ किया, जिनकी राय सरकार दबाना चाहती थी। अमेरिका में सरकार और उसके नेताओं की आलोचना की आजादी लोकतंत्र की मजबूती का प्रमाण है। जब नागरिकों और गैर-नागरिकों को सरकार की कार्रवाई के डर से अपनी बात रोकनी पड़े, तो लोकतंत्र कमजोर होता है। अदालत ने माना कि वीजा रद्द करने का आधार किसी व्यक्ति की विचारधारा या भाषण को बनाना असांविधानिक है।

म्यांमार के प्रवासियों को वापस भेजने की तैयारी: मलयेशिया में रोहिंग्या शरणार्थियों के बीच दहशत, किस बात का डर?

कुआलालंपुर, एजेंसी। मोहिदुजमान धार्मिक उत्पीड़न और गृहयुद्ध से बचने के लिए दो साल पहले अपने देश म्यांमार से भाग निकला था। करीब चार महीने तक जमीनी रास्ते और समंदर का सफर तय करने के बाद मलयेशिया पहुंचा। धान के खेत में काम ढूंढ़ा और पारंपरिक मलय शैली में बने झोपड़ीनुमा घर में रहने लगा। लेकिन अब मलयेशिया के ऐसे प्रवासियों को वापस भेजने की तैयारी से रोहिंग्या शरणार्थियों में भय का माहौल है। भाई मोहम्मद ने बताया कि मोहिदुजमान (35) ने मलयेशिया में संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी के पास शरणार्थी के रूप में पंजीकरण के लिए आवेदन किया था और अपनी बारी का इंतजार कर रहा था। इसी बीच, उसे कुछ समय पहले गिरफ्तार कर डिटेंशन सेंटर में डाल दिया गया था। कुआलालंपुर में रहने वाले और शरणार्थी का दर्जा रखने वाले मोहम्मद (25) ने अपने भाई के मामले पर कहा, म्यांमार वापस भेजने से तो बेहतर है कि हमें मलेशिया में ही मार दिया जाए। वापस भेजे जाने पर वहां जाकर भी मारा ही जाएगा, क्योंकि म्यांमार का सैन्य शासन उसे लड़ने के लिए सीधे युद्ध के मोर्चे पर भेज देगा।

मोहिदुजमान म्यांमार के करीब 10 हजार ऐसे प्रवासियों में शामिल हैं जिनके पास शरणार्थी होने कोई दस्तावेज नहीं है। पिछले महीने मलयेशिया ने लगभग आधे प्रवासियों को वापस उनके देश भेजने की योजना की घोषणा की है। प्रवासियों, उनके परिवारों और मानवाधिकार समूहों का कहना है कि एक बार म्यांमार लौटने पर वहां की सैन्य सरकार उन सभी को सेना में अनिवार्य रूप से भर्ती कर लेगी। रोहिंग्याओं को तो सबसे बुरे की आशंका है जो अपने ही देश में अलग-थलग हैं और उस हिंसा को झेल चुके है जिसे संयुक्त राष्ट्र और अमेरिका ने म्यांमार सेना का नरसंहार करार दिया है।

शरणार्थी दर्जे के बावजूद स्थिति बुरी : पिछले एक दशक में म्यांमार से लाखों लोगों ने जातीय सफाये और क्रूर सैन्य शासन से बचने की उम्मीद में मलयेशिया में शरण ली है। हजारों लोगों के पास शरणार्थी का दर्जा है, फिर भी उन्हें लगातार बढ़ रहे भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है।

1500 लोग अगले माह वापस भेजे जाएंगे : मलेशिया के गृह मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि प्रवासियों का आना एक बड़ा वित्तीय बोझ बन गया है, सरकार हिरासत केंद्रों में बंद लगभग 1,500 प्रवासियों को अगले माह म्यांमार वापस भेजने की तैयारी कर रही है। एक प्रमुख गैर-लाभकारी संगठन नेशनल ह्यूमन राइट्स सोसाइटी के अध्यक्ष रामासेलवम मणिमुथु ने इस बात पर आपत्ति जताई कि नजरबंद लोगों को शरणार्थी के रूप में पंजीकृत होने का विकल्प दिए बिना निकाला जा रहा है।

कैलाश मानसरोवर यात्रियों की बढ़ी चिंता: बाढ़ के बाद 261 विदेशी लापता, तिब्बत-नेपाल सीमा पर 49 भारतीय भी शामिल

बीजिंग, एजेंसी। तिब्बत-नेपाल सीमा पर 26 अगस्त को आई भीषण बाढ़ के बाद 261 विदेशी नागरिकों का अब तक पता नहीं चल पाया है। चीनी अधिकारियों के मुताबिक, लापता लोगों में 49 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। यह बाढ़ ग्यिरोंग पोर्ट के पास आई थी, जो नेपाल और तिब्बत के बीच प्रमुख सीमा पार मार्गों में से एक है। चीनी सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, लापता 261 विदेशी नागरिक 23 देशों से हैं। यह जानकारी विदेश मामलों, सार्वजनिक सुरक्षा, संस्कृति एवं पर्यटन और आपातकालीन प्रबंधन विभागों की संयुक्त खोज और सूचना मिलान के बाद सामने आई है।

किन देशों के नागरिक लापता हैं : चीनी अधिकारियों के अनुसार, लापता विदेशी नागरिकों में सबसे ज्यादा 104 नेपाली हैं। इसके बाद भारत के 49, लातविया के 33, अमेरिका के 18 और ब्रिटेन के 15 नागरिक शामिल हैं। इसके अलावा कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के छह-छह, दक्षिण अफ्रीका के चार, जबकि मलेशिया, जर्मनी और रूस के तीन-तीन नागरिकों का पता नहीं चला है। आयरलैंड, एस्टोनिया, फ्रांस, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड के दो-दो और कजाकिस्तान, फिनलैंड, लिथुआनिया, पुर्तगाल, यूक्रेन, स्पेन और हंगरी के एक-एक नागरिक भी लापता बताए गए हैं।

कैलाश मानसरोवर यात्रा से क्या है कनेक्शन : भारत से बड़ी संख्या में तीर्थयात्री कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए तिब्बत पहुंचे थे। यह यात्रा चीन और भारत के बीच संबंधों में सुधार के बाद दोबारा शुरू हुई थी। बताया जा रहा है कि बाढ़ आने के समय कुछ भारतीय तीर्थयात्री तिब्बत-नेपाल सीमा पर स्थित इमिग्रेशन भवन में मौजूद थे। अचानक आई बाढ़ ने ग्यिरोंग काउंटी में भारी तबाही मचाई और इमिग्रेशन भवन भी इसकी चपेट में आ गया। ग्यिरोंग में आई बाढ़ की भयावहता दिखाने वाले कई वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए। इनमें विशाल जलधारा को सीमा क्षेत्र के बड़े इमिग्रेशन भवन को अपनी चपेट में लेते हुए देखा गया। चीनी अधिकारियों की ओर से विदेशी नागरिकों की स्थिति को लेकर जारी आंकड़े ऐसे समय सामने आए हैं, जब लापता लोगों के परिवार अपने परिजनों की जानकारी का इंतजार कर रहे हैं।

नाइजर में तख्ता पलट की कोशिश: युवा सैनिकों ने खोला मोर्चा, कई की मौत; राजधानी में रातभर गोलियों की गूंज

नियामे , एजेंसी। पश्चिमी अफ्रीकी देश नाइजर की राजधानी नियामे में सैन्य विद्रोह की कोशिश ने सत्तारूढ़ सैन्य शासन के सामने बड़ा संकट खड़ा कर दिया। राज्य टेलीविजन की रिपोर्ट के मुताबिक, विद्रोह की कोशिश के दौरान कई सैनिक मारे गए या गिरफ्तार किए गए। करीब 24 घंटे तक चली इस उथल-पुथल के दौरान राजधानी में गोलीबारी और धमाकों की आवाजें सुनाई देती रहीं।

क्या नाइजर में फिर तख्ता पलट की कोशिश हुई: युवा सैनिकों के एक समूह ने राजधानी के मुख्य एयरपोर्ट परिसर में स्थित अहम सैन्य अड्डे पर विद्रोह का प्रयास किया। रिपोर्ट के मुताबिक, ये सैनिक देश में लगातार बढ़ती उग्रवादी हिंसा और सुरक्षा बलों में हो रही मौतों से नाराज थे। राज्य प्रसारक आरटीएन ने कई दर्जन, ज्यादातर युवा सैनिकों को

सार्वजनिक रूप से पेश किए जाने की तस्वीरें प्रसारित कीं। रिपोर्ट के अनुसार, सुरक्षा बलों ने कई जगहों पर हुई लड़ाई के बाद हालात पर धीरे-धीरे काबू पाया और विद्रोही सैनिकों को गिरफ्तार किया। हालांकि, अभी तक इस बात की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी कि सुरक्षा बलों ने सैन्य अड्डे पर पूरी तरह नियंत्रण हासिल कर लिया है।

एयरपोर्ट के सैन्य अड्डे में क्या हुआ : नाइजर के रक्षा मंत्री जनरल सलीफू मोदी के मुताबिक, विद्रोही सैनिकों के एक समूह ने सैन्य अड्डे पर कुछ अधिकारियों को बंधक बना लिया था। इसके बाद उन्होंने कुछ संवेदनशील स्थानों पर गोलीबारी की। सरकार ने इसे सैन्य अनुशासन और नियमों का उल्लंघन बताया। यह सैन्य अड्डा रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है। यहां नाइजर की वायुसेना का बेस होने के साथ-साथ नाइजर, बुर्किना फासो और माली की संयुक्त सैन्य टुकड़ी का मुख्यालय भी है।

रूस के अफ्रीका कॉर्प्स ने जुंटा की मदद की : विश्लेषकों और राजनयिकों के अनुसार, विद्रोह को दबाने में रूस के अफ्रीका कॉर्प्स ने स्थानीय सुरक्षा बलों को हवाई और जमीनी सहायता दी। रूसी मीडिया ने नाइजर में रूस के राजदूत विक्टर वोरोपायेव के हवाले से बताया कि वरिष्ठ नाइजर सैन्य अधिकारियों ने एयरपोर्ट स्थित अफ्रीका कॉर्प्स के बेस का दौरा किया और विद्रोह दबाने में मदद के लिए उसके सैनिकों का आभार जताया। इस बीच, सैन्य शासन के प्रमुख अब्दुरहामाने त्चियानी के ठिकाने को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं थी। नाइजर में सैन्य शासन 2023 के तख्ता पलट के बाद सत्ता में आया था। उस समय जुंटा ने दावा किया था कि निर्वाचित सरकार देश में बढ़ती सशस्त्र हिंसा को रोकने में विफल रही है। सत्ता संभालने के बाद नाइजर ने अपने पुराने पश्चिमी सुरक्षा साझेदारों से दूरी बनाई और रूस के साथ संबंध मजबूत किए। इसके बावजूद देश में उग्रवादी हिंसा और सुरक्षा बलों पर हमले जारी रहे हैं। विश्लेषकों का कहना है कि लगातार बिगड़ती सुरक्षा स्थिति अब सेना के भीतर भी असंतोष को बढ़ावा दे रही है।

नेपाल के बाद चीन में कुदरत का कहर, शिजांग में लैंडस्लाइड में 16 की मौत, 546 हुए लापता, मचा हड़कंप

शिजांग , एजेंसी। चीन के शिजांग क्षेत्र में सीमा के पास स्थित एक बंदरगाह पर भूस्खलन की घटना सामने आई है। हादसे में अब तक 16 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 546 लोग लापता बताए जा रहे हैं। राहत और बचाव दल लगातार अभियान चलाकर लापता लोगों की तलाश में जुटे हैं। चीन की सरकारी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, शनिवार शाम 6 बजे अचानक शिजांग के पास एक बंदरगाह पर भूस्खलन की घटना हुई। इसमें अब तक 16 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, 546 लोग लापता हैं। लापता लोगों में 49 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। चीनी अधिकारियों ने बताया कि राहत और बचाव दल लगातार अभियान चलाकर लापता

लोगों की तलाश में जुटे हुए हैं।

261 विदेशी नागरिकों से संपर्क टूटा : अधिकारियों के मुताबिक, भूस्खलन के बाद 23 देशों के कुल 261 विदेशी नागरिकों से अब तक संपर्क नहीं हो पाया है। इनमें सबसे अधिक 104 नागरिक नेपाल के हैं। इसके अलावा 49 भारतीय, लातविया के 33, अमेरिका के 18 और ब्रिटेन के 15 नागरिक लापता बताए जा रहे हैं। कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के 6-6 नागरिकों का भी अभी पता नहीं चल पाया है। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के 4, जबकि मलेशिया, जर्मनी और रूस के 3-3 नागरिक भी लापता हैं। आयरलैंड और एस्टोनिया के 2-2 नागरिकों के बारे में भी जानकारी नहीं मिल सकी है। इसके अलावा फ्रांस, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड समेत कई अन्य देशों के नागरिक भी लापता लोगों की सूची में शामिल हैं।

भोटे कोशी नदी में बाढ़ का बहाव तेज : नेपाल के नेशनल डिजास्टर रिस्क रिडक्शन एंड मैनेजमेंट अथॉरिटी ने बताया कि रसुवा के जिला प्रशासन कार्यालय को जानकारी मिली है कि भोटे कोशी नदी में बाढ़ का बहाव तेज होने की आवाज सुनी गई है। इसलिए, हम रसुवा, नुवाकोट और धाडिंग तक नदी के आस-पास के इलाकों में सावधानी बरतने का अनुरोध करते हैं।

धर्म अलग हो सकते हैं लेकिन मानवता एक है, न्यूयॉर्क में मोहन भागवत का बड़ा बयान

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क में 'एक दुनिया, एक मानवता' कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्वयंसवेक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यहां मौजूद सभी दिव्य व्यक्तित्वों, मैं आप लोगों की तरह न तो कोई धार्मिक विद्वान हूं और न ही कोई धार्मिक अधिकारी। लेकिन, मैं एक ऐसे समाज में काम कर रहा हूं, जो पारंपरिक रूप से कहता है कि धर्म भले ही भिन्न हों, लेकिन मानवता एक है। सत्य एक है, और मानवता उस सत्य की उपज है।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि आज की दुनिया में, धर्मों को काफी हद तक अनुष्ठानों द्वारा परिभाषित किया जाता है। धार्मिक अनुशासन का पालन करने और दिव्यता के मार्ग पर चलने के लिए, अनुष्ठानों का अनुशासन भी आवश्यक है। लेकिन, धर्म का उद्देश्य क्या है? यह हमें सत्य की ओर ले जाता है। इसलिए, यदि मैं उस प्रकाश की ओर इशारा करूं, तो आप मेरी उंगली को इशारा करते हुए देखेंगे और फिर प्रकाश को देखेंगे। लेकिन, यदि आप मेरी उंगली पर टकटकी लगाए रहेंगे, तो आप कभी प्रकाश को नहीं देख पाएंगे। उद्देश्य अलग है। यह परम सत्य, दिव्यता की खोज है, जिसे हम अलग-अलग नामों से पुकारते हैं।

भारत में सभी धर्मों के लोग एक साथ रहते हैं : मोहन भागवत ने कहा कि इतिहास के क्रम में यह सब घटित हुआ। मैं उस क्षण की ओर इशारा नहीं कर सकता। उसके बाद, हमारा समाज और हमारा देश विदेशी आक्रमणों का निशाना बने और बहुत कुछ खो गया। लेकिन, वह परंपरा आज भी कायम है, जो आम लोगों को वही बात सिखाती है। एक दुनिया, एक मानवता। लेकिन, जैसा कि आपने कहा, लोग बेवजह बोझ ढोते हैं। हमारे भारत में

सभी धर्मों के लोग एक साथ रहते हैं क्योंकि, परंपरागत रूप से, भारत ने सभी को आश्रय दिया है।

मोहन भागवत ने कहा कि यदि आप स्वयं को हिंदू कहलाना चाहते हैं, तो आपको यह मानना होगा कि सभी मार्ग एक ही लक्ष्य की ओर ले जाते हैं। प्रत्येक मनुष्य का अपना सम्मान है और मनुष्यों में कोई भेद नहीं है। ये सभी भेद प्रकृति की शोभा बढ़ाते हैं, और हमें इन्हें स्वीकार करना होगा। लेकिन, जो वास्तविकता सदा विद्यमान है, वह यह है कि हम सब एक हैं।

राजनीति अब स्वार्थ का खेल बन गई है : उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद हमें अपना संविधान मिला, और उसमें इस बात पर जोर दिया गया है। लेकिन, ऐसा नहीं हो रहा है क्योंकि ये चीजें राजनीति से नहीं होतीं। मुझे यह कहते हुए खेद है, लेकिन सच्चाई यह है कि राजनीति अब स्वार्थ का खेल बन गई है। और, जैसा कि आपने सही कहा, जहां 'मैं और मेरा' होता है, वहां कोई समाधान नहीं होता। 'हम और हमारा' ही समाधान है। इसलिए, भारत में हमारा अनुभव यह है कि हमें समाज से शुरुआत करनी होगी। हमने इसकी शुरुआत पहले ही कर दी है। 2018 के बाद, मेरे भाषण के बाद, कई लोगों ने प्रतिक्रिया दी।

भारत और उज्बेकिस्तान के बीच जीवंत सेतु की तरह हैं भारतीय समुदाय : पीएम मोदी

ताशकंद, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारतीय प्रवासी समुदाय भारत और उज्बेकिस्तान के बीच एक जीवंत सेतु की तरह काम करता है। मध्य एशियाई देश उज्बेकिस्तान की अपनी द्विपक्षीय यात्रा के दौरान ताशकंद में भारतीय समुदाय के बड़े समूह ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'ताशकंद में भारतीय समुदाय के प्यार और स्नेह से अभिभूत हूं। हमारा प्रवासी समुदाय भारत और उज्बेकिस्तान के बीच एक जीवंत सेतु है, जो दोनों देशों की दोस्ती को और मजबूत बना रहा है।' उन्होंने स्वागत समारोह के दौरान प्रस्तुत किए गए भारतीय और उज्बेक संस्कृति के मेल वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी सराहना की और कहा कि ये दोनों देशों के गहरे सांस्कृतिक संबंधों को दर्शाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर तबला प्रस्तुति की एक झलक साझा करते हुए लिखा, 'भारतीय और उज्बेक संगीत परंपराओं का शानदार संगम! तबला, डोइरा और चांग जैसे वाद्ययंत्रों के साथ बेहद खूबसूरती से घुल-मिल गया। यह भारत और उज्बेकिस्तान के बीच गहरे सांस्कृतिक जुड़ाव को दिखाता है।' भारतीय समुदाय की कुछ महिलाओं ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के दौरान उन्हें राखी भी बांधी।

उन्होंने कलाकारों की ओर से प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम भी देखे। प्रधानमंत्री मोदी बच्चों के नृत्य प्रदर्शन को बड़े ध्यान से देखते नजर आए और कार्यक्रम के बाद उनसे हाथ भी मिलाया। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने 'यांगी उज्बेकिस्तान स्मारक' का दौरा किया और कहा कि यह

उज्बेकिस्तान के लोगों की आकांक्षाओं और प्रगति का प्रतीक है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'ताशकंद पहुंचने के बाद राष्ट्रपति मिर्जियोयेव के साथ 'यांगी उज्बेकिस्तान स्मारक' पर श्रद्धांजलि अर्पित करने गया। यह स्मारक उज्बेक लोगों की आकांक्षाओं और प्रगति को दर्शाता है। अपनी यात्रा की शुरुआत यहां आकर करने पर खुशी है। प्रधानमंत्री मोदी के साथ उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव भी मौजूद थे। दोनों नेताओं ने यांगी उज्बेकिस्तान पार्क में उज्बेक संस्कृति और इतिहास को दर्शाने वाली कलाकृतियों का अवलोकन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने ताशकंद हवाई अड्डे पर मिले गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए राष्ट्रपति मिर्जियोयेव का भी धन्यवाद किया। वह उज्बेकिस्तान की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर पहुंचे हैं। एक विशेष सम्मान के तौर पर राष्ट्रपति मिर्जियोयेव स्वयं हवाई अड्डे पहुंचे और प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। यह दोनों देशों के बीच पिछले 12 वर्षों में लगातार मजबूत हुई दोस्ती को दर्शाता है।

ताशकंद पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, 'राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव ने ताशकंद में मेरा गर्मजोशी से स्वागत किया। उनके इस विशेष सम्मान के लिए मैं उनका आभारी हूं। यह मेरी उज्बेकिस्तान की चौथी यात्रा है, जो हमारे द्विपक्षीय संबंधों की गहराई और लगातार बढ़ती गति को दर्शाती है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जयललिता की राह पर जोसेफ विजय? पीएम पद की चर्चा पर कांग्रेस-डीएमके की कड़ी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली, एजेंसी।

चेन्नई,(ईएमएस)। एक ताजा सर्वे में मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय को प्रधानमंत्री पद के लिए 9 प्रतिशत जनसमर्थन मिलने के बाद, उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं पर बहस शुरू हो गई है। इस सर्वे में विजय, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बाद तीसरे स्थान कायम हुए है। इसके बाद सवाल उठने लगा है कि क्या उनकी पार्टी, तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके), पूर्व मुख्यमंत्री जे.जयललिता की 2014 की रणनीति दोहराने पर विचार कर रही है, जब उन्होंने खुद को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर 37 लोकसभा सीटें जीती थीं। टीवीके नेताओं के.ए. सेंगोट्टैयन और सी.टी.आर. निर्मल कुमार ने विजय को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाने की संभावना से इंकार नहीं किया है। हालांकि, इस बात पर विपक्षी डीएमके और

विजय की सरकार में सहयोगी कांग्रेस ने कड़ी आलोचना की है। कांग्रेस नेता और उच्च शिक्षा मंत्री पी. विश्वनाथन ने स्पष्ट किया कि राहुल गांधी ही उनकी पार्टी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार हैं। कांग्रेस ने यहां तक धमकी दी है कि यदि विजय की पार्टी 2029 में राहुल गांधी का समर्थन नहीं करती है, तब वे विजय की कैबिनेट से हट जाएंगे। कांग्रेस नेता मणिकम टैगोर ने सर्वे के आंकड़ों को खारिज कर कहा कि हर आंकड़ा सच नहीं बताता और हर सर्वे लोगों की आवाज नहीं होता।

क्षेत्रीय सहयोगी जैसे वाइको की एमडीएमके, थोल. थिरुमावलवन की वीसीके और आईयूएमएल शायद इस तरह के अभियान का विरोध न करें और टीवीके गठबंधन में बने रहें, लेकिन राहुल गांधी को आगे बढ़ाने की इच्छुक कांग्रेस के लिए यह स्थिति मुश्किल पैदा कर सकती है। डीएमके नेता आरएस भारती ने टीवीके की बातों का मज़ाक उड़ाकर कहा कि उनकी कल्पना की कोई सीमा नहीं है और वे विजय को संयुक्त राष्ट्र प्रमुख भी बता सकते हैं। गौरतलब है कि टीवीके अभी तक इंडिया गठबंधन का हिस्सा नहीं बनी है, और लोकसभा चुनावों के लिए उसकी रणनीति का भी अभी तक पता नहीं चला है, जो इस पूरे विवाद को और गहराता है।

बिहार के मंत्री ने तेज प्रताप को 50 करोड़ रुपए का मानहानि नोटिस भेजा

-नोटिस में माफी मांगने और लगाए आरोपों का खंडन करने की मांग की गई

पटना (एजेंसी)। बिहार सरकार में लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग मंत्री संजय कुमार सिंह ने जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) के अध्यक्ष तेज प्रताप यादव को 50 करोड़ रुपए का कानूनी मानहानि नोटिस भेजा है। नोटिस में तेज प्रताप यादव की ओर से एक्स और फेसबुक पर लगाए गए आरोपों को पूरी तरह झूठा, निराधार, दुर्भावनापूर्ण और मंत्री की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने वाला बताया है। नोटिस में कहा गया है कि सोशल मीडिया पर लगाए गए इन आरोपों से मंत्री की छवि और प्रतिष्ठा को नुकसान हुआ है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कानूनी नोटिस में तेज प्रताप यादव से 7 दिन के अंदर सार्वजनिक रूप से माफी मांगने और लगाए गए आरोपों का खंडन करने की मांग की गई है। नोटिस में साफ कहा गया है कि अगर तय समय में ऐसा नहीं किया तो तेज प्रताप यादव के खिलाफ 50 करोड़ रुपए की मानहानि का सिविल और क्रिमिनल केस दर्ज कराया जाएगा। बता दें तेज प्रताप यादव ने एक्स पर एक पोस्ट कर मंत्री संजय कुमार सिंह पर गंभीर आरोप लगाए थे। तेज प्रताप ने आरोप लगाया था कि मंत्री संजय कुमार सिंह ने दिल्ली दौरे के दौरान एक बड़े होटल में एक महिला कर्मचारी के साथ कथित तौर पर अभद्र व्यवहार किया और उसके साथ शोषण का प्रयास किया। तेज प्रताप यादव ने पूरे मामले की सरकार से निष्पक्ष जांच की मांग भी की थी। उन्होंने यह भी दावा किया था कि मामले को दबाने और रफा-दफा करने के लिए कथित तौर पर 25 लाख रुपए का लेन-देन किया गया। तेज प्रताप यादव की ओर से लगाए गए इन आरोपों की अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वहीं, मंत्री संजय कुमार सिंह की ओर से भेजे गए मानहानि नोटिस में इन आरोपों को झूठा और निराधार बताया गया है।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर महिला तस्कर गिरफ्तार, 25 करोड़ का सोना जब्त

कोलकाता (एजेंसी)। बीएसएफ ने पश्चिम बंगाल के नदिया में भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर एक बार फिर सोने की तस्करी की बड़ी कोशिश नाकाम कर दी है। एक गुप्त सूचना के आधार पर, बीएसएफ की 32वीं बटालियन के जवानों ने बनपुर बॉर्डर इलाके में ऑपरेशन चलाया और एक महिला को हिरासत में लिया। बीएसएफ सूत्रों के मुताबिक, लंबे समय तक नजर रखने के बाद, संदिग्ध गतिविधि दिखने पर महिला को हिरासत में लिया गया। तलाशी लेने पर उसके पास से कुल 15 किलो 607 ग्राम सोना बरामद हुआ। बीएसएफ का दावा है कि जब्त किए गए सोने की अनुमानित बाजार कीमत 24 करोड़ 95 लाख 56 हजार है। बीएसएफ अधिकारी तस्करी की घटना के बारे में महिला से पूछताछ कर रहे हैं। जांचकर्ता यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि इस रैकेट में और कौन-कौन शामिल है, सोना कहाँ से लाया गया था और इसे कहां तस्करी करके ले जाया जाना था। बीएसएफ ने तस्करी रोकने के लिए बॉर्डर पर निगरानी बढ़ा दी है। जांचकर्ताओं का मानना है कि सोने की इतनी बड़ी बरामदगी से तस्करी करने वाले एक बड़े और सक्रिय गिरोह का पता चल सकता है, इसीलिए महिला से पूछताछ की जा रही है।

चीनी मांझे ने ली पूर्व सैनिक की जान, ड्यूटी खत्म होने के बाद लौट रहे थे घर

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू में चीनी मांझे से गला कटने के कारण एक पूर्व सैनिक की मौत हो गई। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि सेवानिवृत नायब सूबेदार लखविंदर सिंह रविवार देर रात दोपहिया वाहन से बिश्नाह इलाके से गुजर रहे थे, तभी वह इस जानलेवा मांझे की चपेट में आ गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि लखविंदर को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। अधिकारियों के मुताबिक लखविंदर सिंह बाड़ी ब्राह्मण स्थित एक औद्योगिक इकाई में निजी सुरक्षा गार्ड के तौर पर काम करते थे और ड्यूटी खत्म करने के बाद अपने घर लौट रहे थे। प्रशासन ने चीनी पतंग की डोर या मांझे की बिक्री और इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा रखा है। इसके बावजूद प्रतिबंधित सामग्री की चोरी-छिपे बिक्री करने के आरोप में हाल के दिनों में जम्मू में कई दुकानदारों को गिरफ्तार किया गया है। इस ताजा घटना के बाद प्रतिबंध को लागू करने को लेकर चिंता बढ़ गई है। लोगों ने इसके इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ने के लिए प्रयास जारी हैं।

केदारनाथ में उमड़ा आस्था का सैलाब : बारिश भी नहीं रोक सकी लाखों भक्तों की भीड़

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के केदारनाथ धाम में इन दिनों आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। पहाड़ी इलाकों में लगातार हो रही बारिश और बदलते मौसम के बावजूद, बाबा केदार के भक्तों का उत्साह कम नहीं हो रहा है। देश के हर कोने-कोने से श्रद्धालु तमाम चुनौतियों का सामना कर केदारनाथ धाम पहुंच रहे हैं, जिससे यात्रा निर्बाध रूप से जारी है।

पटना में जहरीली शराब का कहर : विपक्ष ने सम्राट सरकार को घेरा

पटना (एजेंसी)। पटना जिले के बाढ़ क्षेत्र में कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से चार लोगों की मौत हुई है। इस घटना ने राज्य में कानून-व्यवस्था और शराबबंदी पर फिर से सवाल खड़े किए हैं। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बिहार सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और ऐसी मौतें लगातार हो रही हैं। राजद नेता यादव ने प्रशासन की बड़े पैमाने पर लापरवाही का आरोप लगाकर कहा कि गरीब अपनी जान गंवा रहे हैं और उल्टे उन पर ही मामले दर्ज कर जेल भेजा जा रहा है। उन्होंने इन मौतों की गहन जांच की मांग की। वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस मुद्दे पर गंभीर है और जांच के आदेश दे दिए हैं। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा ने भी जहरीली शराब से होने वाली मौतों पर चिंता जाहिर की गई। उन्होंने लोगों से शराब का सेवन छोड़ने की अपील करते हुए कहा कि शराब किसी भी रूप में मौत की ओर ही ले जाती है। उन्होंने भी स्थानीय प्रशासन से मामले की जांच का आग्रह किया।

शुद्धिकरण मामला: वाल्मीकि समाज की शिकायत पर राहुल पर प्राथमिकी दर्ज

-आरोप- राहुल गांधी की टिप्पणी से वाल्मीकि समाज की भावनाएं आहत हुईं

हल्द्वानी, एजेंसी।

उत्तराखंड के हल्द्वानी स्थित रामलीला मैदान में 'शुद्धिकरण' के मामले को लेकर की गई विवादित टिप्पणी के लिए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि हल्द्वानी के वाल्मीकि समाज की शिकायत पर कोतवाली थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

मीडिया रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया है कि शिकायत में राहुल गांधी को आरोपी बनाया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि राहुल गांधी ने इस विवाद को लेकर अपनी टिप्पणी में यज्ञ कार्यक्रम को जातिगत रंग दिया और इससे जुड़े लोगों को 'छुआछूत मानने वाला' और 'दलित विरोधी' बताने की कोशिश की। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी की टिप्पणी से वाल्मीकि समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। कुमार ने कहा कि कार्यक्रम में अनुसूचित जाति सहित विभिन्न वर्गों के लोग शामिल हुए थे और इसका कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे या किसी व्यक्ति विशेष से कोई संबंध नहीं था।

पुलिस ने बताया कि शिकायत के आधार पर विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसके अलावा प्राथमिकी में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की धाराएं भी जोड़ी गई हैं। इससे पहले शिकायतकर्ता ने शिकायत के साथ पुलिस को संबंधित प्रेस वार्ता की वीडियो रिकॉर्डिंग, सोशल मीडिया पोस्ट और आठ व 11 अगस्त के कार्यक्रमों के फोटो-वीडियो पर संज्ञान लेने तथा संबंधित लोगों के बयान दर्ज करने का अनुरोध किया था। शिकायत की प्रतियां नैनीताल के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और अन्य अधिकारियों के साथ ही राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग को भी भेजी गई थी। बता दें हल्द्वानी के रामलीला मैदान में 8 अगस्त को कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे की जनसभा के बाद 11 अगस्त को कुछ लोगों ने वहां 'शुद्धिकरण यज्ञ' किया था, जिसे लेकर सियासी घमासान शुरू हो गया था। कांग्रेस जहां मामले को बीजेपी की दलित विरोधी सोच बता रही है, वहीं बीजेपी ने यह कहते हुए इसका बचाव किया कि खड़गे की जनसभा में गंदगी फैलाई और ऐसे नारे लगे जो धार्मिक स्थान पर नहीं लगने चाहिए थे।

पीएम मोदी का बाबर के देश में सम्मान, बीजेपी वालो मुबारक हो...

ओवैसी ने प्रधानमंत्री मोदी को उज्बेकिस्तान का सर्वोच्च सम्मान मिलने पर कसा तंज

नई दिल्ली, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उज्बेकिस्तान के सर्वोच्च मित्रता सम्मान से सम्मानित किए जाने के बाद इस पर सियासत शुरू हो गई है। एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने प्रधानमंत्री को मिले सम्मान को लेकर भाजपा और आरएसएस पर तंज कसा है। ओवैसी ने कहा कि भाजपा को बधाई दी जानी चाहिए कि जिस देश से बाबर भारत आया था, उसी देश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सम्मानित किया है।

ओवैसी ने कहा कि प्रधानमंत्री जहां भी जाते हैं, उन्हें सम्मान मिलता है। उन्होंने भाजपा और संघ परिवार के पुराने राजनीतिक बयानों का जिक्र करते हुए कहा कि जिस बाबर के नाम पर उन्हें गालियां दी जाती थीं, अब उसी क्षेत्र के देश ने प्रधानमंत्री को नागरिक सम्मान दिया है। ओवैसी ने कहा कि "मैं मुबारकबाद देता हूं बीजेपी वालों को कि उस देश ने भी प्रधानमंत्री को अवार्ड दे दिया, जहां से

बाबर भारत आए थे।" उन्होंने आरएसएस और संघ परिवार से इस मुद्दे पर सोचने की बात कही और उम्मीद जताई कि अब बाबर का नाम लेकर उस तरह की राजनीतिक बयानबाजी नहीं की जाएगी।

ताशकंद में पीएम मोदी को मिला सर्वोच्च सम्मान

30 अगस्त 2026 को ताशकंद में उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश के सर्वोच्च मित्रता सम्मान 'ओली दाराजाली दोस्तलिक' से सम्मानित किया। यह सम्मान किसी मित्र देश के नेता को दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने में योगदान के लिए दिया जाता है। 'ओली दाराजाली' का अर्थ 'सर्वोच्च स्तर', जबकि 'दोस्तलिक' का अर्थ 'मित्रता' है। प्रधानमंत्री मोदी ने सम्मान मिलने के बाद इसे भारत और उज्बेकिस्तान के बीच मजबूत और स्थायी संबंधों को समर्पित किया।

ताशकंद में पीएम मोदी को मिला सर्वोच्च सम्मान

30 अगस्त 2026 को ताशकंद में उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश के सर्वोच्च मित्रता सम्मान 'ओली दाराजाली दोस्तलिक' से सम्मानित किया। यह सम्मान किसी मित्र देश के नेता को दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने में योगदान के लिए दिया जाता है। 'ओली दाराजाली' का अर्थ 'सर्वोच्च स्तर', जबकि 'दोस्तलिक' का अर्थ 'मित्रता' है। प्रधानमंत्री मोदी ने सम्मान मिलने के बाद इसे भारत और उज्बेकिस्तान के बीच मजबूत और स्थायी संबंधों को समर्पित किया।

मायावती का महिला मतदाताओं से रेवड़ी संस्कृति से सतर्क रहने का आह्वान

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती ने महिला मतदाताओं से निजी लाभ वाले लुभावने वादों और मुफ्त सुविधाओं (रेवड़ियों) से सतर्क रहने की अपील की है, क्योंकि ये चुनावों को अनुचित तरीके से प्रभावित करती हैं। उत्तरप्रदेश के सभी मंडल व जिला इकाइयों के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक में उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों और उम्मीदवारों के चयन की प्रगति की समीक्षा की। मायावती का बयान संभवतः सपा की हालिया घोषणा की ओर इशारा था, जिसमें हर गरीब महिला को प्रतिवर्ष 40,000 देने, उन्हें आत्मनिर्भर बनाने और मुफ्त लैपटॉप, साइकिल व मोबाइल फोन वितरित करने की बात कही थी।

बसपा प्रमुख ने कहा कि चुनावी स्वार्थ के लिए मतदान से पहले इसतरह के निजी लाभ पहुंचाने वाली घोषणाओं से चुनाव गलत तरीके से प्रभावित होते हैं। उन्होंने यूपी की जनता को आगाह कर कहा कि चुनाव के बाद सरकार बनने पर देश के कई राज्यों में वादाखिलाफी आम बात हो गई है। इसलिए लोगों को विरोधी दलों के खुलेआम छलावे और विश्वासघात से बचकर स्वतंत्र व निष्पक्ष मतदान करना चाहिए। उन्होंने बताया कि वादाखिलाफी और जनहित के प्रति गैर-जिम्मेदारी के खिलाफ बसपा के संघर्ष के साथ, जेन-जी और जेन-अल्फा पीढ़ी के युवाओं को आवाज उठानी पड़ रही है, जिसके कारण उन्हें पुलिस मामलों और सरकारी दमन का सामना करना पड़ता है।

मायावती ने सत्तारूढ़ भाजपा सरकार पर निशाना साधकर कहा कि महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी और पलायन से यूपी की जनता त्रस्त है। केंद्र सरकार की घोषणाएं ऊंट के मुंह में जीरा साबित हो रही हैं और इनमें समस्या समाधान से अधिक चुनावी छलावा नजर आता है। उन्होंने जोर दिया कि जनहित और जनकल्याण का दायित्व निभाना सभी सरकारों की संवैधानिक जिम्मेदारी है और इसे लगातार जारी रखना चाहिए। बसपा सरकारों ने बिना किसी चुनाव का इंतजार किए इस दायित्व को निभाया और सामाजिक परिवर्तन व आर्थिक मुक्ति के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए। पूर्व मुख्यमंत्री ने नौ अक्टूबर को बसपा संस्थापक कांशीराम की पुण्यतिथि के कार्यक्रम को पूरी निष्ठा से आयोजित करने का निर्देश दिया। यह कार्यक्रम इस वर्ष केवल लखनऊ में वीआईपी रोड पर स्थित मान्यवर श्री कांशीराम जी स्मारक स्थल में होगा, जहां पूरे प्रदेश से लोग कांशीराम को श्रद्धांजलि देने एकत्र हों।

हमारे तिरंगे और मेरे देश का अपमान न करें, इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी

रिजिजू ने न्यूयॉर्क में तिरंगे का अपमान करने वाले प्रदर्शनकारियों की आलोचना की

नई दिल्ली, एजेंसी।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में प्रदर्शन के दौरान भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने वाले प्रदर्शनकारियों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि लोगों को आरएसएस, बीजेपी या सरकार की आलोचना करने की आजादी है लेकिन देश और राष्ट्रीय ध्वज का अपमान महंगा पड़ेगा। यह विरोध प्रदर्शन शनिवार को हुआ जब आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विरोध प्रदर्शन का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें कथित तौर पर भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करते दिखाया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक एक्स पर पोस्ट में रिजिजू ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा- हमने हमेशा कहा है कि आपको आरएसएस, बीजेपी या सरकार की आलोचना करने की आजादी है, लेकिन हमारे देश को बुरा-भला न कहें। हमारे झंडे और मेरे देश का अपमान न करें। इसकी आपको भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। भागवत ने अमेरिका, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम के अपने तीन देशों के दौरे के पहले चरण के तहत यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन को संबोधित किया। वे आरएसएस के शताब्दी वर्ष समारोह के हिस्से के तौर पर वहां के स्थानीय संगठनों के निमंत्रण पर पहुंचे थे।

अपने संबोधन में भागवत ने कहा कि भले ही भारत प्रवासी भारतीयों की जन्मभूमि है, लेकिन जिस देश में वे रहते हैं वह उनकी कर्मभूमि है। इसलिए उन्हें सबसे पहले अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए और उस देश के प्रति वफादार रहना चाहिए जहां वे रहते हैं।

पटाखा फैक्टरी में भीषण आग, 11 की मौत, कई की हालत बेहद नाजुक

कौशाम्बी, एजेंसी।

यूपी के कौशाम्बी जिले के पिपरी थाना क्षेत्र के मनौरी बाजार में सोमवार दोपहर करीब 12 बजे एक पटाखा फैक्टरी में अचानक आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। आग लगते ही फैक्टरी में रखे पटाखों में एक के बाद एक तेज धमाके होने लगे। धमाकों की आवाज करीब दो किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। कुछ ही देर में फैक्टरी से उठे धुएं के गुबार ने आसपास के इलाके को ढक लिया, जिससे बाजार में अफरा-तफरी मच गई। धमाके में कई परिवारों के मकान धराशायी हो गए। फिलहाल हादसे में 11 लोगों की मौत हो जाने की सूचना है। वहीं, दर्जनभर से अधिक लोगों की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। मृतकों का आंकड़ा बढ़ भी सकता है। मौके पर प्रयागराज के एडीजी, आईजी, डीआईजी, अपर पुलिस आयुक्त के अलावा कौशाम्बी के डीएम और एसपी पहुंच गए हैं। झुलसे लोगों को एसआरएन अस्पताल प्रयागराज भेजा गया है।

बताया जा रहा है कि बस्ती से कुछ दूरी पर एक मकान में पटाखा फैक्टरी संचालित हो रही थी। हादसे के समय अंदर करीब दर्जनभर लोगों के मौजूद होने की सूचना है। आग लगने के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन लगातार हो रहे धमाकों के कारण अंदर जाना मुश्किल रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मकान से अचानक धुआं उठने के बाद पटाखों में विस्फोट शुरू हुआ। मकान के ऊपर से बिजली के तार भी गुजर रहे हैं। हादसे में एक दर्जन से अधिक लोगों के गंभीर रूप से झुलसने की सूचना मिल रही है। मौके पर पुलिस अधिकारियों के साथ दो थानों की फोर्स राहत-बचाव में जुटी है। घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया जा रहा है।

ब्रिक्स समिट से पहले दिल्ली में होगा मेगा ट्रेड फेयर, मोदी-पुतिन होंगे शामिल!

-इस प्रदर्शनी से औद्योगिक प्रोजेक्ट्स के लिए नए अवसर मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी।

18वें ब्रिक्स समिट से पहले दिल्ली में 9 से 11 सितंबर के बीच पहला बड़ा भारत-रूस इंटरनेशनल इंडस्ट्रियल ट्रेड फेयर आयोजित होने जा रहा है। इस प्रदर्शनी में पीएम मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के पहुंचने की उम्मीद है। इसकी जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि इस प्रदर्शनी से दोनों देशों के बीच सीधे व्यापारिक जुड़ाव, टेक्नोलॉजी पार्टनरशिप और संयुक्त औद्योगिक प्रोजेक्ट्स के विकास के लिए नए अवसर मिलने की उम्मीद है। इसी बीच रूसी राष्ट्रपति पुतिन 12-13 सितंबर को होने वाले ब्रिक्स समिट में शामिल होने के लिए भारत आएंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत-रूस संबंधों के जानकारों का कहना है कि मोदी और पुतिन का इस प्रदर्शनी का दौरा यह दिखाता है कि दोनों देशों के बीच औद्योगिक और आर्थिक सहयोग को कितना महत्व दिया जा रहा है। इस कार्यक्रम से जुड़े लोगों ने बताया कि प्रदर्शनी में मैकेनिकल इंजीनियरिंग, रसायन, डिजिटल तकनीक, खनन एवं उत्खनन तकनीक, मानव-केंद्रित तकनीक और द्विपक्षीय व्यापार एवं औद्योगिक सहयोग जैसे क्षेत्रों पर फोकस रहेगा।

जानकारी के मुताबिक रूसी राष्ट्रपति पुतिन ब्रिक्स समिट की बैठक में शामिल होने के लिए नई दिल्ली का दौरा कर सकते हैं। पुतिन का नई दिल्ली दौरा एक साल में दूसरी बार है। वहीं भारत ने इस साल 13 जनवरी 2026 को ब्रिक्स समूह की अध्यक्षता संभाली थी। 14 जनवरी के आसपास भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस समिट से जुड़े आधिकारिक थीम, लोगो और वेबसाइट का शुभारंभ किया था। इससे पहले पुतिन दिसंबर 2025 में दो दिवसीय दौरे पर भारत आए थे, जहां उन्होंने पीएम मोदी से मुलाकात की और 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में शामिल हुए थे।